

संगममाला

विदग्धा ४

मिथूनं तु दद्यान्निनिविद्वल्लिंगाशुषार्थत्वांशं दिनं यच्च राक ॥ स्वनं
 ययं स्वर्गनाकमिदिव विदधुलया ॥ सूत्रलाकाद्यादिवोद्वमिथोः
 कीवं विविष्यं ॥ सत्रकक्रिंविश्वोवा ॥ सत्रसन्नं सत्रालया ॥ उद्धला
 कोदवला ॥ लोभादित्यसदानवा ॥ अमत्रां निरुतांदता ॥ विव
 माः सत्रा ॥ सयच्चा ॥ समनमिदिवशादिवोद्वमिथोः
 यां लखां अदिगिननुना ॥ आदित्यामहर्षी ॥ स्वया ॥ अमर्या अमन्चस ॥

३

१३
 ४
 ७
 १०
 १३

अशाभारत
 ASHA ARCHIVES

2057 I

यत्तम ३ गा १
 यदेक

२
शी
दि
॥
२

वदिमखाः कुरुकुडागीर्मां दानवात्रयः॥ वचात्रकाः देवतानिः पंसि
वादेवनामियां॥ ^२ आदित्यः १२ विश्ववसवः १२ मुखिताः ^२ स्वरागः ७ निलो २०
महानाडिक २२० साध्याः १२ ध्रुवाः १२ श्वगमदनाः २॥ विद्याधराः २२
यज्ञत्रकागन्धर्वकिञ्चिनाथविष्णवः ^{यज्ञ-दयया-तु} गुह्यकः १ सिद्धाः १२ गामीदवः २
जानयः १॥ जसनादेत्यदेनयंदनः ^३ ज्ञानिदानमाः १॥ शुक्रः ^४ आदिगिरिः
नाः १॥ पूर्वदवासूत्रदिवः १॥ सर्वरुः १॥ सगमां वृद्धाधर्मः १॥ राजसूत्रागमः १॥
निर

रुजकोटः

धृतिरगवानमानाम

॥

समुत्तराखरगवान्मात्रिः लोकडिडिनः १॥ पठतिः स्नादवत्ताः ईशवादी
विनायकः १॥ मूनिदुः शीयदः १॥ आत्मा मूनिः १॥ आकाशनिः १॥ सः १॥ अस्मिन्
सर्वार्थसिद्धः १॥ ^१ आदनिः १॥ ^२ अमुत्तमः १॥ ^३ अस्मिन्मः १॥ ^४ अस्मिन्मः १॥ ^५ अस्मिन्मः १॥
वृत्तात्मरः १॥ ^६ सूत्रकः १॥ ^७ यत्रमः १॥ ^८ यिनामः १॥ ^९ दिनेयः १॥ ^{१०} रागः १॥ ^{११} लोकः १॥ ^{१२} स्वयं
रश्मिः १॥ ^{१३} अनादुः १॥ ^{१४} अनादुः १॥ ^{१५} अनादुः १॥ ^{१६} अनादुः १॥ ^{१७} अनादुः १॥
यजापतिः १॥ ^{१८} विष्णुः १॥ ^{१९} विष्णुः १॥ ^{२०} विष्णुः १॥ ^{२१} विष्णुः १॥ ^{२२} विष्णुः १॥
यजुर्वेदः १॥ ^{२३} रागः १॥ ^{२४} रागः १॥ ^{२५} रागः १॥ ^{२६} रागः १॥ ^{२७} रागः १॥
वीर्यमानः

१२१
 विस्मयप्रवा ^{देवयानाम} दामादनां हवी कणः कणवांमाधवस्वरुः ॥ देव्यात्रियवृत्ते
 काकां ^{वज्र} गीविदीगत्रु उधुः ॥ यीनाम्वना ^{वज्र} च्युनः ॥ भनमी विषकनाऊना
 दनः ॥ उथनु ^{वज्र} वृद्धावनं ऊ ^{वज्र} कया ^{वज्र} लिपुगुरुः ॥ यमना ^{वज्र} मधुत्रियवृत्ते
 दवलि ^{वज्र} विक्रमः ॥ दवकीनचनः ॥ छेत्रिः ॥ छायनिः ॥ यत्रुधारुमहावन
 मालीवल्लि ^{वायं ० नक्षत्रानाम} ध्वसी ^{वज्र} कैत्रा ^{वज्र} मि ^{वज्र} धाक ^{वज्र} ऊ ॥ विष्वक्मृगः ॥ केटहजि ^{वज्र} दिधु ^{वज्र} धावह
 लाला ^{वायं ० नक्षत्रानाम} कनः ॥ वसुदवा ^{वज्र} स्यऊनकः ॥ मगवानकइद्रि ^{वज्र} ॥ वेल्हदः ॥
 वायं नक्षत्रानाम ॥ सार वसुदवनाम ॥

॥ कामदशवेयानाम ॥
 चलं वध्यां ^{वज्ररुयानाम} वलदवा ^{वज्र} च्युतागु ^{वज्र} ऊ ॥ तव ती नमनाजामः ॥ कामवालाह
 लायुधः ॥ नीलाम्बना ^{वज्र} त्रिदि ^{वज्र} धायना ^{वज्र} लाकाम ^{वज्र} शली ^{वज्र} हली ॥ संकषणः ॥
 शीत्रया ^{वज्र} ॥ ॥ का ^{वज्र} लिदी ^{वज्र} रदनी ^{वज्र} वल ^{वज्र} ॥ मदनो ^{कामदशयानाम} मस्म ^{वज्र} धामा ^{वज्र} त्र ^{वज्र} यद्यु ^{वज्र} म्मां
 मीनक ^{वज्र} गन ^{वज्र} ॥ कदथा ^{वज्र} दय्य ^{वज्र} कानग ^{वज्र} ॥ कामय ^{वज्र} क ^{वज्र} ण ^{वज्र} त्र ^{वज्र} स्म ^{वज्र} त्र ^{वज्र} ॥ सव ^{वज्र} त्र ^{वज्र} नि
 मनसि ^{वज्र} ऊ ^{वज्र} ॥ क ^{वज्र} ण ^{वज्र} म ^{वज्र} मृ ^{वज्र} त्र ^{वज्र} ध ^{वज्र} न्य ^{वज्र} ऊ ^{वज्र} ॥ दू ^{वज्र} व्य ^{वज्र} ध ^{वज्र} न्वा ^{वज्र} त्र ^{वज्र} नि ^{वज्र} य ^{वज्र} नि ^{वज्र} मी ^{वज्र} क ^{वज्र} त्र ^{वज्र} ध
 ऊ ^{वज्र} आ ^{वज्र} त्र ^{वज्र} म ^{वज्र} ह ^{वज्र} ॥ व ^{वज्र} क ^{वज्र} म ^{वज्र} सु ^{वज्र} वि ^{वज्र} ध ^{वज्र} क ^{वज्र} तु ^{वज्र} ॥ स्या ^{वज्र} द ^{वज्र} नि ^{वज्र} न ^{वज्र} द ^{वज्र} उ ^{वज्र} यौ ^{वज्र} वा ^{वज्र} य ^{वज्र} नि ^{वज्र} ॥
 ल ^{वज्र} क्री ^{वज्र} ॥ व ^{वज्र} मी ^{वज्र} ल ^{वज्र} या ^{वज्र} य ^{वज्र} म ^{वज्र} क ^{वज्र} म ^{वज्र} ला ^{वज्र} धी ^{वज्र} ह ^{वज्र} त्र ^{वज्र} यि ^{वज्र} या ^{वज्र} ॥ ॥ श ^{वज्र} ध्वा ^{वज्र} ल ^{वज्र} क्री ^{वज्र} य ^{वज्र} न ^{वज्र} ॥
 ल ^{वज्र} क्री ^{वज्र} य ^{वज्र} न ^{वज्र} ॥ ल ^{वज्र} क्री ^{वज्र} य ^{वज्र} न ^{वज्र} ॥

सुदशन नक्षत्र

आर गता या नाम

कोमल मय

पाथरु न्यश्चरु सुदशनशा कोमादकी गदा खनी नदक कोरु रथम
 ही शागत्र ल्मां नगत्र उस्तु विन नय ख गश्चन शा नागम न का
 विवृ नथ सुय भगिग न शा गंतु नी श य शु य नि शिव शु सी म द
 अत्र ॥ ॐ श्वनः सव ॥ ॐ शनः ॥ ॐ कल श्वद (श्वनः ॥ ॐ नगः ॥ ॐ खं शु य
 न शु गित्री (ॐ मरु ॥ मरुं ऊं य ॥ क कि वी सा यिना का यि म था धि
 य ॥ उग ॥ क य दी शा कं ॥ ॐ शि कं ॥ क याल ल र्ना वाम द वा
 नि

गिनि ॥ १२

महादेव

महादेवा वचन कृमि लावन शा क ॥ नृप नः सर्व आंधू र्ही ठ नी ल सा हि त
 ह नः स च रु जा र ग म मिकी मु यु चा न क ॥ ग र्ग म ध या च क यि य ॥ क रु धा सि
 व ॥ ॐ श्वनः सव ॥ ॐ शनः ॥ ॐ कल श्वद (श्वनः ॥ ॐ नगः ॥ ॐ खं शु य
 यिना का ॥ ॐ ग विन ॥ ॐ य सु ध ॥ ॐ यि त्रि य दा ॥ वा की त्या यी नु मा न न ॥ ॐ र
 वि धि र्ना नि त्र य यी म हि म क ॥ ॐ ध ॥ उ मा का त्या य धी ली त्री का ली दि म गी नि
 श्व त्रा शि वा र वानी नृ दा धी स च म र्ग ता ॥ अ व धू वा चे ता इ र्ग ॥ म उ नी च लु का
 वि का ॥ वि ना य का वि धि त्रा ॥ ॐ द मी त्र ग म धि य ॥ अ य क द न र त र स्व ल म्बा

सर्वो जी २ ३१

मोहकालसमिपुतः

गणेशनाम

दत्तागजाननः ॥ कार्तिकेयामहासना गजजन्माष्टजननः ॥ वाद्येति तदनः
 कचः ॥ सनानो गमि रगुरु ॥ वाहलयस्कात्र कडि दिष्टाय ॥ शिखि बाह
 नः ॥ पाशगुणः ॥ शक्ति घनः ॥ क्रमात्रः ॥ कोशे दोनहा ॥ ॐ हुं ध्यानं त्रुत्वा मय वा न
 विडाडा ॥ याकक्षसनः ॥ वृद्ध धवा ॥ सनानीनः ॥ यत्र हनः ॥ यत्र दनः ॥
 डिफः ॥ खखरः ॥ शकः ॥ शतमन्यदि वस्य निशम रा मा नरि दक्ष बासु वा व
 हाव वा ॥ वास्ना ॥ स्यनिः ॥ सत्रयनिर्विला नाति ॥ शशी यति ॥ उं मुं कुं दी दप्रि
 यः ॥ स्वप्ना नमयि सुदनः ॥ संकटना इव वनं मुं ॥ वां न्य यवा हनः ॥ आखं
 ॐ ह्रीं ॥ ॐ हुं ध्यानं गत्रया नाम

ॐ दया सन ॥ ॐ दया सन ॥ १

ॐ दया वना ॥

ॐ दया वरुहिन न द्रियानाम ॥ १

ॐ

ल ॥ स दसा कृमि रुका ॥ स्यदु प्रिया ॥ पुत्रा मजा शवी दाही ॥ नगजी
 खमना वती ॥ दय उच्च ॥ धवा ॥ सुता मो नलि ॥ नेदन वन ॥ स्या त्या
 सौ दौ वजयना ॥ उं यं नै ॥ उयन ॥ या क सनि ॥ उना वना इय माग
 र्गना व ॥ धा इय नू व ले ॥ १० ॥ वा दा दि नी वम मुं स्या ले लि सं रि
 इयं य वि ॥ श म का रि ॥ स्य त्रु ॥ सं म्यां दं ला लि त्रु ॥ नि दया ॥ १० ॥ वा म
 यानं विमाना इम्मी ना त्रु दा ड्या सत्र यय ॥ स्या त्रु धमा दव स ला ॥ वा ॥
 य व म म न सध ॥ मदा कि नी वि य उं गं स्य न्ने दी सत्र दी धि को ॥ भत्र ॥
 अ मृ त या नाम
 नात्र दग्धा दी द वज्र विभ्रम
 आ को ॥ शं गं ग या नी म ॥

इत्यत्रादिमानयासाप

सु
म
य
म
धी
श
के
म
ध

को मा आ शु द वि श्व ना ॥ का वा वा रा य नी का सा ॥ मि श्र ग व र्ज ॥
का सा आ शु द वि श्व ना ॥ वा रा य नी का सा ॥ य व द कि ध य कि मा ॥ ३
रु ना दि गु णी वा र्णा दि श्व गु नि वि दि ग रु व ॥ ॐ शु व दि ॥ यि य ति न म ना व
त्र धा म त्र न क व त्र ॐ ण ॥ प त य ॥ य व दि नी दि ध क मा ॥ ने ना व न ॥ य ष
जी का वा मे न ॥ क म डा ऊ न ॥ य ष द न ॥ सा वे र्ण म ॥ स व नी क ष दि ग ज ना ६
॥ क त्रि धा ॥ ने म ॥ क यि ला वि र्ग ला नू द मा क मा न ॥ त म क नी स र द नी वा
ऊ ना या मे ना य नी ॥ की वा रा य न व दि धा दि धा म ॥ वि दि क मि यी ॥
श्रु त न र त न त न लं य क वी र नु म णु ला ॥ श्रु म धा वा त्रि वा र सु न यि न
ॐ द या ना म ॥ म द या ना म ॥

नरक्षत्रयाहनाम

व ला द क ॥ वा रा य ना क स ध न रू णि त्वा वा त्रि धा म र ना य न की
म न म दि न ॥ न म ष म या न य ॥ का द मि नी म द मा ला वि ष म द
ह वा श्रि ग र ॥ नि र ग डि न म द नि द्या र्ज मि ना दि व ॥ म्मा हा न द द
जा दि ने वा व र्ण ॥ क ण य र ॥ न डि म सो दा मि नी वि द्य व न ला य व ला
श्रु मि न रू ड्डी थ व ड्डी वि ष य ॥ म द क र्ण नि न रू म द ॥ ॐ द्या म व
श क ध न रू म द व र्ण री दि न ॥ व डि व र्ण न दि द्या न व र्ण री म मो धा
ने री व मा ला म ॥ उ म ग क या ना म ॥ व य र्ही

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

।मि धी॥ नकुमरु कुरुते नो नो नात्रा नात्र कायु डू वा मि यो॥ दा क्रो यः ध्या धि नी

जानिती नकुमरु

विश्वय यो ना

यथा स्यात्

या दिता न अश्वयुग धिनी॥ ना क्ष वि धा र्वा॥ वृथो तु मि धी मि धी॥ वि वि द्या॥

य नो यथा नो म॥

उत्तर द॥

द॥

वृद्ध द॥

स मा ध नि वा स्य॥ यो यं यं दा॥ लो यं दा॥ मि यः॥ मे ग गो र्मे मे म ग गो र्मे म ग गो र्मे म ग गो र्मे

म ग गो र्मे म ग गो र्मे

वृद्ध स्यात्

था गुरु स्मि न्न वा य दा य धि॥ ०० स्त्री ला सु चि त्रा द षा नात्र का नि व स नि यो॥ वृद्ध

वृद्ध स्यात्

नि॥ स ग्रा या यो गी य नि दि ष षा गु रू॥ जी वः॥ आ गि त्र सा वा य स्य नि धि॥ वृद्ध

वृद्ध स्यात्

धि र्व धि उ॥ शु को दे र्य गु रू॥ का वा ड ष ना ला जी वः॥ क विः॥ अं ग त्र कः॥ वृद्ध

अं ग त्र कः

वृद्ध स्यात्

अति यथा

आ हो मा ला दि तां ग म स्त्री॥ त्रो दि षा यो व धः॥ सो म्यः॥ स नो सो त्रि ष न धे र्मा॥

त म नु गा रुः॥ स्व स्त्री नः॥ स हि के था वि ध नु दः॥ स क र्ष था म त्रा वा वि मू र्वा धि त धि

तानि या उ द य नु रि स न्न थ न॥

थै व धि न षा॥ ग्रा धी ना म द भाल म् नु नु म स व वा द यः॥ स त्र सूर्या र्थ मा दि र्यः

वृद्ध स्यात्

वा द षा ल्म दि वा क त्रा॥ १००॥ लो क्क गो रु क्क त व र्णै ध्रु व ला क त वि ला क त्रा॥

ला स्य दि त्र स्य स क्का॥ धृ त्रि द षा क्क त स म्प यः॥ वि क र्द ना के मा रु र्धु मि

हि ना त्र धा य व धः॥ ४॥ म धि स्त न धि मि र्ग धि र्ग ला न र्धि त्रा व नः॥ वि ला व

सू र्ज द य नि धि यो स्त्रि स्त्रि॥ व नि त्र द य नि धि॥ ला न र्द सः॥ स र्द मा रु र्धु

सूर्य या त्रा मः

यां

सयरायानाम को यरायानाम कि । विसरायासराहसकः । हततावतमावदुसकः

कारिकः वा हला को कारिको हसनः ॥ निनिभा मि यां ॥ वसनं यथ समयसु
नरुमावयेतावराका । गवः प्रयादितरा गोमिकावः । उलिकाः ॥ देवताकोवः ।
अलिगी य उष्म कः नि दास उष्म यगम उष्म उष्मा समसु य को मि यां यो व द सु या
को निरा को यरासे उष्म कारः ।
हमि वषा अर्थमत्र नु मि या । व उ मा ॥ सु नैवे ॥ य मि भाग्ज दी नां य गे क मा त । स अः
दया नाम । सन यमि त्राहि नै ।
सत्रा यां हा य नां मि स त र स मा ॥ मा स न स्या द हा त्रा नुः य गां व षे धे दे व न ॥ ४ ॥
सं व स रा व स य । दे का म प दा य न । म न य म न के ल्ये ॥ दे व या द ॥ स न के ल्ये ॥
वय ग के स ह म दे वा क ॥ क ल्या दु ना न क्षा ॥ म न व न म व ठ दि या ना य ग न ना म
चक्र य क ल्ये या ना म ।
क न क नि ॥ सं व र ॥ य ल य ॥ कालः ॥ क य ॥ क ल्या न ॥ ह य पि ॥ अ सी य ॥ ४ ॥ य
या य या ना म ।
मा न्या यी या र्थ कि लि व क ल्म र्ष । क ल्म र्ष व डि ने ना र्थ म हा र नि त र पु र्ण ॥
या य या ना म ।

दयया दगदिगनाते ॥
१३

स्या द म म मि यां य न ॥ अ य सौ कि त व स म ली ति यु म दा द र्घ्य ॥ यु मा दा
रु व या ना म ।
भा द स मा दा ॥ स्या द न द थ रा न द ॥ ग म सा ग सु र्वा नि व ॥ वि ॥ अ य सौ मि
सु ।
व र द क ल्या शं म र्ग लं ॥ रा वि कै व र्क र वि र्क र वी श ल क म म मि ॥
सु र ।
या ॥ ग स वार्थ वि ष ड या या र्थ य न्थं स र वा दि व ॥ म त लि का म र्वा वि क य का
अ ह रि षे ॥ अ ति हि ड या ना म ।
नु म य न नु जा । य न स वा च का न्य म न्य यः गु रा व दा वि श्वि ॥ दे वं दि ष र्हा ॥
दे व या ना म ।
ग ध र्थ रा ग्यं मी नि य ति वि श्वि ॥ द नु न्नी का व र्ण वी र्ज नि दा नं त्वा दि का व र्ण ।
जा सी या ना म ।
क य ॥ रु आ ना य र व ॥ य ध नं य क ति ॥ मि यां वि ल्म ष ॥ को लि को व र्ण ।
व रु डि या ना म । अ व रु या ना म ।

जीतम
४
श्री
श्री

४
कु न म यी
क

विदुसमग्रयानास

सूज धि धू ॥ श्रीगुनसाक ॥

लक्षय्यताम्॥

सुक्लनायनासः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

श्रिय न ॥ शुक्ल शुक्ल विष्णु न विष्णु दसनया शुक्ल ॥ अ व द न ॥ सि ना गो वा द ॥

लक्षाष्वलाङ्गनं ॥ रुनि ८४ वा ७३ वा ७२ वा ७१ वा ७० वा ६९ वा ६८ वा ६७ वा ६६ वा ६५ वा ६४ वा ६३ वा ६२ वा ६१ वा ६० वा ५९ वा ५८ वा ५७ वा ५६ वा ५५ वा ५४ वा ५३ वा ५२ वा ५१ वा ५० वा ४९ वा ४८ वा ४७ वा ४६ वा ४५ वा ४४ वा ४३ वा ४२ वा ४१ वा ४० वा ३९ वा ३८ वा ३७ वा ३६ वा ३५ वा ३४ वा ३३ वा ३२ वा ३१ वा ३० वा २९ वा २८ वा २७ वा २६ वा २५ वा २४ वा २३ वा २२ वा २१ वा २० वा १९ वा १८ वा १७ वा १६ वा १५ वा १४ वा १३ वा १२ वा ११ वा १० वा ९ वा ८ वा ७ वा ६ वा ५ वा ४ वा ३ वा २ वा १ वा

श्री नीलासिनश्चामकालश्चामलमंदकाः श्री नीलग्रवाहचिद्रुतः श्री लालग्रह

निशा की हवि ॥ लाहिना लाहिना नका ॥ १५४ ॥ का क द न व न व वि ॥ अ द क न

गत्स्वच्छः॥ स्वननकमुंयाहल॥ अथ व ४ स्यात्कृष्णं धूमः

लो क सु लो दि न ॥ क जाल ॥ क पिल पि न ॥ चि दि गं गे क दु पि न ॥ चि न ॥ चि न ॥ चि न ॥

नानावर्णसिद्धिनिवर्णयानात्॥

व्या २

मी न के लमा वं वल्लेना थक वं गु ल्हा गुल्का दया वं सिंगु निलि म सुतदः

विज्ञायां नृणां वाक्प्राप्तौ वीर्यस्य ना॥ श्रीमानुजकिशोरिणं कवि

[illegible]

नवचने वचः अथ हिमपग... वा१

क्रियावाकान् कान्तिनाश्रुतं मुनिदशम्राचसु आवन् सुगविषयं प्रोक्तं
 यथा ॥ डा कान्तिनाश्रुतं ॥

वामयश्री॥ हूँ मि व दामुं नो गि क त्या दि शु र न न मुं श्री का च प्र ह वा स मा ॥ ०

वृत्तिरामयुगवृत्तिमूलाकाशमयस्यत्र॥ आन्तरीक्षिकीदक्षिणीनिर्मलकविद्या

यन्ममयः॥ अस्यायि काये लक्ष्मीं पूजायै यत्नं कर्तुं॥ एवं च कल्याणं नास्ति॥

5

सुतिः॥ अमृतिर्नदिमिन्नका॥ मूर्ध्वोर्ध्वं नुं वा वक्षः॥ काकुः॥ मि० यां वि० का०
 यः॥ क० ली० त्यादि लि० नः॥ अ० व० कृ० क० ज० नि० वा० द० य० नी० वा० द० य० वा० द० व० नः॥ उ० य० क०
 ॥ रु० गु० ष्ठा० य० क० त्सा० नि० यो० व० ग० द० ॥ या० नू० ष्य० मे० त्रि० वा० दः॥ स्या० दु० र्से० न० ले० र्थे० को० न०
 यः॥ स० नि० दे० उ० या० ल० मृ० क० व० स्या० स्य० वि० द्वा० व० धं॥ न० पु० स्या० का० न० धं० यः॥ स्या० दा० का०
 म० ध० न० य० ति॥ स्या० दा० ला० ष० ध० मा० ला० यः॥ य० ला० या० न० धं० क० व० वः॥ अ० न० ला० धा० मृ० द्वा०
 हा० वा॥ वि० ला० यः॥ व० नि० व० व० नं॥ वि० पु० ला० धा० वि० प्री० धि० के॥ स० ला० या० ला० व० धं० मि० थः॥
 स० पु० ला० यः॥ स० व० च० नं॥ मे० व० ला० य० स्तु० नि० द्वा० वः॥ स० द० ज० वा० ग्वा० वि० के० स्या० दा० ॥ र्हे० दा० स्तु०

उपमा

श्री गणेशाय नमः

^{कदयानाम} लय स कोना ला दी धा तु वे ल को ॥ ^{पुणयाताम} वि वि ची सा तु न नी ति ॥ ^{सुफरि} सु फ रि ॥ ^{ववि} व वि
^{तानव} यदि नी ॥ ^{तानवदयानाम} नं ती ॥ ^{यदयानाम} धा दि के वा द्य म नि द्य म न जा दि के ॥ ^{यदयानाम} य धा दि के तु शु वि त्र कां
^{मृदमजाताम} स्या ता ला डि के धन ॥ ^{मृदमजाताम} य के तु वि धी न द वा धं वा दि या ता ध ना म की ॥ ^{मृदमजाताम} मृ द म
^{मृदमजाताम} मृ त जा ह दौ द ^{मृदमजाताम} काली ^{मृदमजाताम} ग्या द्य का म्प य ॥ ^{मृदमजाताम} स्या धृ ग ॥ ^{मृदमजाताम} य ट हार का ह यो मा न क इ न्द्र
^{मृदमजाताम} ही ॥ ^{मृदमजाताम} आ न क ॥ ^{मृदमजाताम} य ट हार का ली व के सु को या स्या ॥ ^{मृदमजाताम} उ व ना हा नि व ध न ॥ ॥ वा ध
^{मृदमजाताम} हं दा उ म नू य ॥ ^{मृदमजाताम} छि लु म म म न ॥ ^{मृदमजाताम} म द ल ॥ ^{मृदमजाताम} य ध वा न्य य त र द की ला सि क स म ॥
^{मृदमजाताम} विल नि र द न म धां तु ल व मा धा य न क मा त ॥ ^{मृदमजाताम} ता ल ॥ ^{मृदमजाताम} का ल क्रि या मा न ल य ॥
^{मृदमजाताम} श्री सा ॥ ^{मृदमजाताम} ला ला वी ला दि के द न ॥

१८

अथ यानाम

विषयानाम

न

^न सा म्प म धा मि यां ॥ ^न ता लु व न ट नं ना द्य ॥ ^न ला स्यं न न्य य ह न ल ॥ ^न य धि के न य जी न वा
^न धां मि द न यी ॥ ॥ ^न जू के स य म्प कं ता ॥ ^न नित के क ॥ ^न म्प व ध धा त्री य न वां मा द्य की
^न ग धि का क्का ॥ ^न र गि नी य नि ना व ॥ ^न ता वा वि द्वा न धा व क ॥ ^न न का य व ना ड स क
^न क्का मा त्रा र द द व क ॥ ^न ना जा र द न का द व ॥ ^न स ता र क द रि का ॥ ^न द वी क ता रि ध क
^न या मि न ना सू य र दि नी ॥ ॥ ^न म्प क्का म्प म्प ॥ ^न को ना ड धा ल सु ना वि धा ॥ ^न म्प क्का
^न मा ता ध वा ला स्यां ना सू ना य सु मा वि धा ॥ ^न जू कि का र गि नी धं धां नि धा नि धं र द

श्री गणेशाय नमः

[illegible]

वनिययसु नयानाम
 प्रवृ॥ चतुर्दशदशप्रासादीति होसाध्यमरुयैविकात्रामा नमलावाहै नलावाहावः
 वाधकः गद्यो हलिमानादकात्रामा नश्चिह्नसमूहनिर्गुना दनयप्रितवः यप्रिता
 वस्तित्रस्त्रियावीटावमाननावह्लाज्जुवह्लदलमसुकर्ण॥ मन्दाकडीसुयवीजाल
 ज्ञासायवयन्यनः कान्तिमुनिकाहिलिधौ धातुयत्रस्वविषयस्य ल॥ अंक्रान्तिनीचो
 इमूयातुकाषागुल्लयाह॥ वैवेनीवित्राधविद्वषामन्युगकोरुशुक्रियांमयश्च
 रुषानूतायष्टवियुनिसात्रं यैत्यपि॥ कोधमर्वत्रात्राययानत्रदकल्लेभियु॥

३

बुधातुचगिननीलमूनादधि रुविनुमः प्रमा नाप्रियता हादप्रमस्रहाथवाहदा
 ॐ कृकाकस्युदहाहृवां कालिष्यमनात्रथः काभाहिलावस्रवेषसमहानल
 लसाकथाः उवाविनीधर्मविनां प्रस्था विविमो नसीयधः ॥ स्याचिनास्रमि
 जायानमूल्कल्लिकसमाउत्साहायवसायः स्यासवीर्यमतिनाकि लाकु
 कयः म्नीधाजदमायधयधुमकेतवः ॥ कृत्तिनिकृतिः ॥ अथं प्रमादाइनवधा
 नता ॥ कोउहलीवकृट्कयकृटुहली ॥ श्रीधमं विलासविंवाकविनुमाललिनकथा ॥
 कुरुलं

२०
 २०
 २०
 २०
 २०

श्री

शांका २

खसार

दलालीलल्यमीहावात्रीः क्रियागंगमत्रहावजाः उवकलीयलीहासाः कीठा
 लीलायनममेचाः यदल्ललकचकीठावकलीयलीहासाः कीठा
 ल्यलथानवचकना ॥ अवादिल्लकात्रयि ॥ समोसम्वगसंयमो ॥ स्यादाकृत्रिध
 नकीहासः ॥ सान्यसः ॥ समाहनाकृस्मिलिनी ॥ मध्यमस्यादिहसितं त्रामा ॥
 दषणी ॥ कचिनेत्रदिनकषं ॥ कुरुतुरुकुरुमि वूनेहमुरुतुं ॥ विपुलमृविमभ्यादा
 त्रिजहंसुवलसमास्यान्नडाणयनं स्वायः ॥ स्वयंसुम्वर्गहृल्ययि ॥ गदीयुमाला
 म्व

विमिसलेमउजाना

२०
धा

न कटि कटि कटि कटि **सु** य **अ** द **४** **४** स्याद सोम्य **४** क्रि **४** सं सिद्धि प कृ नी **॥** वि
 मूख नू यै नू य य स्व ता व धू नि सर्ग शि ध य य थ **४** क म्वा थ क म उ द धा म ल उ द ड त
 व नी **॥** **००** नि ख ज व ज **४** **॥** अ धा तु व न या ता ल व ल स म न सा त **॥** **॥** ना ग ल
 का य क द र **॥** वि न वि व र **॥** वि री **॥** वि ड नि व थ न त क क र थै श्व ग व र च या गु वि **४**
 गु ल वि ठा तु वि श्व **॥** स त **॥** ध तु वि री वि ष **॥** अ न्ध का त र मि थं शं नू मि मे ति **॥**
 मि री न म **४** धा न ग र **४** ध न म स **॥** को **॥** ए इ व न म स त म **४** वि ध **॥** त म स न य **॥**

५३

२९
राम

५२

अनुत्तया

वि वे ली न मे स नी का द व या स डी श्व त **४** **॥** ग धा न ना वा स कि स स र्थ त
 आ र थ **॥** ग म **॥** गिलि स **४** स्या **॥** इ ड ग न ग य वा द स **००** **॥** **॥** अ ल ग ध
 ड ल **॥** ल **४** स मो त्रा डिल इ लु **॥** मा ल ध न मा मा गु ला हि **॥** नि म्म का म
 क क थ क **४** स र्थ **४** प दा क डु **॥** ज ग **॥** **॥** **॥** दि ड ड र्ग म **४** अ णा वि ध
 वि ष ध न **॥** की वा **॥** स त्री स प **४** क लु ली गू र वा ध क **४** वा का का द र **४**
 गी द वा के त्रा दी च य द न नु का वि ले ग य **४** उ त ग **४** य न्ने ल म रा **॥** डि



३

थ तिसासा न्यत्रि॥

विद्याकद का वज्रयुक्तं कुरु यन्मि विषयं ज्ञानिनां विसर्गं दयं वाच्यं
विद्याकद का वज्रयुक्तं कुरु यन्मि विषयं ज्ञानिनां विसर्गं दयं वाच्यं

नगा ॥ यवनाशन ॥ विद्याकद का वज्रयुक्तं कुरु यन्मि विषयं ज्ञानिनां विसर्गं दयं वाच्यं

॥ सभो कवूकानि म्मोको ॥ कुरु गनल विषयं ॥ पुंसि क्रीववका का

ल ॥ को ल कुरु ॥ हतो हला ॥ सासा विद ॥ सोक्ति केया ॥ वक्रयुत

यदीयन ॥ दात्र दो ॥ वत्सना रं शिविल दा अमी न व ॥ विषयं द्यो

जा कुरु लिका वालय ॥ विद्याकद का वज्रयुक्तं कुरु यन्मि विषयं ज्ञानिनां विसर्गं दयं वाच्यं

इजनि ॥ मिदया ॥ तं रु दा सु पनी ॥ मीहा गोत्र वा ॥ सधान ॥ काल

विद्याकद का वज्रयुक्तं कुरु यन्मि विषयं ज्ञानिनां विसर्गं दयं वाच्यं

तत्रकम ज्ञायतयुतासि॥

तत्रकयानदि वे तत्र जी ॥

तत्रकयानदि वे तत्र जी ॥

सुवंचला ॥ सुनानका ॥ यना तत्र जी ॥ स्यादल श्री सुनिमेति ॥

विषयं द्यो ॥ कात्र दम नुया तनी विषयं द्यो ॥ यी उवावावा था ॥ रव

ममा ॥ तस्यं प्रसूनिर्ज ॥ स्यात्क द क युमा ली लं विषयं द्यो ॥ सधान ॥ काल

कूपात्री न ॥ या वा वा व ॥ स नीम्यती ॥ उदन्वानुद वि ॥ सिन्धु ॥ सन स्वा न सा ग

व ॥ नला कवा ॥ लनि विषयं द्यो ॥ यनि वे य म्म मि ॥ सधान ॥ काल

नाद सुधा वनी ॥ आय ॥ सुह मि वा वा ॥ सलिलं क मंजु लं पुय ॥ की लाल ॥ मनी जी

नि

अ

चरो ॥ अनायः यं मित्रं न स्यात्तु दुःखं तादृशं त्वं साम विरयेति वृत्ता योजि कस नव्यादि
 जा ताहे ना सामिका ॥ का वद्वरा वं नाया द्यती तो का निन मित्र कलिं स्या च न सूर्य य विव
 के ॥ सुत्प्या धना कु वधी स्या द्द वि ^{लि} गं म लं प ^ह द नं ॥ य थ न मा म धा म न्य सो ना वे ॥ सा
 त्रि ^ल षा लु ^उ उ ^उ वि ^उ ज्ञा ^उ न ॥ ग कली या धरा ^ल के ॥ ग क लो ^उ र्द्वे ॥ स द म द ^उ वृ ^उ या ठी न ॥ ३
 उ लू ^उ पा ^उ मि ^उ णु ^उ क ॥ स भी ॥ न न मी न ^उ श्रि ^उ लि ^उ वि ^उ म ॥ या ^उ वी ^उ रु ^उ स ^उ रु ^उ नी ^उ द ^उ या ॥ रु ^उ द ^उ गु ^उ म ॥ २५
 त्प स द्वा न ॥ या ना धन म धा ज या ॥ या दि ता म गु लं ^उ षा ^उ ला ^उ जं ^उ प्रा ^उ जी ^उ व ॥ गु ^उ मि ^उ णु ^उ मा
 ध क ल मि मि ॥ मि मि जि ला द य थ ^उ य ^उ दा ^उ सि ^उ ज ^उ ल ^उ ज ^उ न ^उ व ॥ न ^उ द ^उ य ॥ मि ^उ णु ^उ मा ^उ प्रा

दिश क वाम क प्रा द य ॥ स्या तै ^उ लू ^उ ली ^उ ल ॥ क ^उ क ^उ ट ^उ क ॥ क ^उ र्भ ^उ क ^उ म ^उ क ^उ य ^उ यो ॥ ग्र ^उ हा
 व ^उ हा ^उ धा ^उ न ^उ क ^उ सु ^उ क ^उ स्त्री ^उ बा ^उ ध ^उ म ^उ ली ^उ ल ^उ ना ^उ रा ^उ गु ^उ य ^उ द ॥ कि ^उ थ ^उ ल ^उ का ^उ नि ^उ हा ^उ का ^उ ग ^उ मि
 का ^उ स ^उ म ॥ व ^उ या ^उ र्गे ^उ ध ^उ र ^उ ग ^उ म ^उ धा ^उ न ^उ र्गे ^उ ध ^उ र्वा ^उ र्ग ^उ मि ^उ वि ^उ का ^उ ल ^उ म ^उ ज ॥ न ^उ क ^उ वा ^उ नु ^उ क ^उ ली
 का ^उ या ^उ मि ^उ यो ^उ मि ^उ यो ^उ र ^उ मि ^उ ज ^उ लो ^उ क ^उ स ^उ के ॥ म ^उ र्क ^उ सु ^उ ट ॥ मि ^उ यो ^उ गु ^उ कि ॥ ग ^उ मि ^उ र ॥
 क ^उ म्ब ^उ न ^उ मि ^उ यो ॥ इ ^उ द ^उ र्ग ^उ र्वा ॥ ग ^उ र्थ ^उ न ^उ र्वा ॥ ग ^उ म्ब ^उ का ^उ ज ^उ ल ^उ गु ^उ क ^उ य ॥ र ^उ क ^उ म ^उ लू ^उ क ^उ य
 र्ग ^उ र्ग ^उ ल ^उ व ^उ द ^उ इ ^उ ना ॥ ग ^उ लि ^उ ग ^उ गु ^उ य ^उ दी ^उ र ^उ की ^उ व ^उ र्थ ^उ र्थी ^उ क ^उ म ^उ र्गी ^उ र ^उ लि ॥ म ^उ रु ^उ न ^उ व ॥

सखिः यमगी ॥ इतीमादीयकायिका ॥ जलाशया जलाशाला सुगाम धजलाङ्ग
 दहजाला वस्तुनिधानं स्याद्विषयकपञ्चलाक्षय ॥ यंस्येवाध्वयदीकूपडुदयानं नुयं
 सिवा ॥ नमिमुकास्य ॥ वीनाहासुखवत्थनमस्ययत् ॥ यच्छ्रीधामनुत्वातं स्यात्
 दद्यात्तद्वदववातकं ॥ यद्वाकनसुताकैरसंगीतमिहस्त्रीकासान ॥ सनमीसुव ॥ यज
 न् ॥ यल्यलक्ष्मसुत्रावायीतुदीधिका ॥ खयनुयत्रिवा ॥ धनस्त्वसुसांयतुं
 यत् ॥ स्यादालवालमावालीमावायाथनदीसत्रित ॥ नत्रजिह्वाखेवल्लिनी
 नदिनी ॥ ऊदिनीधनी ॥ आतस्यगंदीयन्नतीसुवकीनिमगमां गं विष्कृपदी ॥

श्री

२७

जानाप्पयंसि ॥ जालस्या ॥ चूलासुतं ॥ यविगुके ॥ यच्छ्रित्थान् ॥ खातस्या ॥ दाखातदवखा
 तकं ॥ यथाकत्र ॥ जलमस्त्री ॥ कासात्र ॥ सत्रसी ॥ सत्र ॥ वमन ॥ यल्यलक्ष्मसुत्रावायीतुदीधिका
 काखयनुयत्रिवा ॥ धनस्त्वसुसांयतुं ॥ स्यादालवालमावालीमावायाथनदीसत्रित ॥
 नत्रजिह्वाखेवल्लिनी ॥ नदिनी ॥ ऊदिनी ॥ धनी ॥ आतस्यगंदीयन्नतीसुवकीनिमगमां गं विष्कृपदी ॥
 जमगगी ॥ विष्कृपदी ॥ ऊदुतनया ॥ सत्रनिमगमां ॥ लगी ॥ प्रथी ॥ गिचथगमां ॥ गिआताली ॥ ससुत्राय ॥
 कालिबदी ॥ सुयतेनया ॥ यमनामनस्यसा ॥ प्रवातुनमेदांसाभां ॥ वाभकलकेनकाकि
 प्रतायां ॥ सदन्या ॥ वादुदा ॥ हेगवादिनी ॥ मिगदुसु ॥ गतदु ॥ स्या ॥ दिया ॥ गमु ॥ विद्यादु ॥ सुयां
 सल्ला ॥ दिप्रथवादु ॥ स्या ॥ कल्या ॥ दिति ॥ सास्रिगु ॥ जगवती ॥ वगुवती ॥ यदु ॥ रागसुत्रयति ॥

श्री

स्या १

ध्री
मसा
कनज

मृज नमः ॥ ॐ श्रीवल्लभ नीलसिन्धुमि न कमुद कोत्र ॥ १ ॥ लूक म धां क न ॥ २ ॥
दा निषर्णु तु क मिका ॥ ३ ॥ ल नी ली तु लो व ली लो व ला धि क म द नी ॥ ४ ॥ क मु दि
यां ॥ ५ ॥ ना लि न्या तु वि सि नी य मि नी म र्वा ॥ ६ ॥ वा य मि य र्ज न लि न म र वि च
म हो त्य नं ॥ ७ ॥ स ह मु य र्ज क म लं ग न य र्ज क ॥ ८ ॥ ग र्ज य ॥ ९ ॥ न ह वा म र्ज स सा न र्ज म
न सा न र्ज वि स य सून रा जी व य र्ज रा म्हा न र्ज वि ॥ १० ॥ व लु ली क सि ना म्हा ॥ ११ ॥
म थ र्ज क स या न र्ज ॥ १२ ॥ न को त्य ल का क न र्ज ॥ १३ ॥ ना ला ना ल म थ मि न ना ल वि
म र्ज दि क द म्भ य तु म मि याम् ॥ १४ ॥ क न हा ट ॥ १५ ॥ शि क न द ॥ १६ ॥ किं ज ल ॥ १७ ॥ क र्ज रा मि

दा ॥ १८ ॥ ज म्हा ल ल वा री वी न ॥ १९ ॥ लो नी वी न म र्ज ॥ २० ॥
यां म ॥ २१ ॥ म म्भ दि क न व द ली ॥ २२ ॥ वी ज का वा व रा ट क ॥ २३ ॥ उ क र्ज स्व र्ज म र्ज दि काल
मी न र्ज दि स ना र्ज क र्ज ना ल र्ज गि न र्ज क र्ज वा लि र्ज र्ज म र्ज न र्ज ॥ २४ ॥ वा र्ज
या ता ल व र्ज ॥ २५ ॥ र्ज म र्ज मि ह क र्ज ना म लि र्ज न र्ज म र्ज स्व रा दि का लु
य र्ज म र्ज व र्ज ॥ २६ ॥ य र्ज य र्ज म र्ज ह नो य र्ज मि र्ज म र्ज दि र्ज ॥ २७ ॥ न र्ज क र्ज
वि र्ज ड र्ज सा र्ज य र्ज मि र्ज दि ता ॥ २८ ॥ र्ज मि र्ज य र्ज ना ली ना र्ज म र्ज वि
र्ज म्हा रा मि रा ॥ २९ ॥ ना र्ज मि र्ज य र्ज मि र्ज क र्ज म्हा रा का र्ज यी क र्ज मि र्ज स र्ज
व र्ज म र्ज ॥ ३० ॥ व र्ज म्हा र्ज य र्ज म्हा र्ज म्हा र्ज ॥ ३१ ॥ य र्ज वी य र्ज म्हा र्ज ॥ ३२ ॥ व र्ज मि र्ज ना म र्ज
रा यो ना म र्ज ॥ ३३ ॥ मि र्ज य र्ज ना म र्ज ॥ ३४ ॥ मि र्ज य र्ज ना म र्ज ॥ ३५ ॥ मि र्ज य र्ज ना म र्ज

मिथ्या

[illegible]

सकानिनसु पाउमानाम

प्रथनाकथवल्मीकं यन्त्रयं सकं । अयनं वल्मीकं माग्नेयं यन्त्रयं यदवीर्यमिति हस

सोसा लोचनलया नाम

हयमंडिल

यनाम

प्रथो यद्यति यथावत्कथं कथं दानिया अतिथुनः सुयन्ताथ सत्यथश्चात्रि

क ममलिलया नाम अलेयानाम

वि

कालयान

शी

धनि ॥ यथा इति यथा विषयः दध्वा कायथमा यनलस्य यथेह लाष्टं गटक

तापीनेवाठ मडनयानाम इरुल्लयानाम

२८ म

यतु व्यथा ला न्न नैरुन नूनी धका नात्रा वल्मीकं मंगवृति यीति मुक्तिग

यस मन्त्र नकुसुमयो दुवीजायानाम

राजमार्गयानाम

को

युगां नल्ले किं यतु यथ यथ मस्मि नद्य नत्य नस्या यनिक नमः मिद्वर्ज

ने मयानाम इयायामयजनक दवनजनयानाम

सरापिदजयानाम

राजा वाद दजयानाम

यः म्नी यनी नथ्या वीय कने यट हदन स्या नीय निगमान्य नु यन्मूल नगल

मूलनजनयि यथा नचि नइहासुयानजनयानाम वेहासु बाद दजयानाम यमत्रयानाम

विकिधद
जयानाम

गाल्वनेति कुरवा नगने व धमि वंश उत समाधाय अयन सु निषया यां वि

वनियायसत्रयानाम

राइयानाम

खत्रपादयानाम

या

यमि यधवीथिका जथमप्र ता ला विमिरवा स्याच्च या वयुम मि स्या का

यत्रखानयानाम

इदकासु चिनवाइखा नेपाठ यानाम इरुखाती

या अम्वनयानाम

गोवर्धनेन धमल यो विनेयान्ता वृति शालिलि कृष्णमदूकं गदनन्य

इरुखायु नाम

सुकीणक गृह गलादवणि नं वंश सभानिकं तन निग्न नवस्व सदनेर

धमदेयानाम

वनागम मदि वीरुसा यं सैव र म्ना वनिका यमि लेया लया वास क

को धयानाम सला वान थय मनु ययानाम

दादया धमला सला सैव मन लिदा चतु धमलं मनी नानु यक्कु धमला

वेयलता उमठ कृष्ण यानाम

मविना सवयानाम यमम

टजा मि यां ये लमा ये न नु स्या वा डि धमला तु मद्रना अवि

वेयलता उमठ कृष्ण यानाम

लेधाय

वेयलता उमठ कृष्ण यानाम

शनं गिल्यगमं । यवा पान्नीयभलिका । म० कूडा औदिलिलया
 केखे ॥ गऊइ तुमदिनागहृगल्यैः ऊगमनवासगहृमचिबं सुनिकागहृदं ।
 श्री वातायनंगवाक ॥ स्यात्सु ॥ लुथाइ सुजाजनाश्रय ॥ हर्म्यादिधनिनां २८
 वास ॥ सासादादवहृजो ॥ ॥ स्यात् ॥ धाइ सुजाजसदनमूयकार्योः
 पक्रानिका ॥ स्वसिक ॥ सच्चै गारुडानयावहृथौ दयापिचाविचूच
 सवहृ कैतु ॥ पुरादादिरुवनी श्वानसमनाम् ॥ म्युगमनहृजामन् ॥
 २३

काली शुक वातुमिकुटमिक कुरुत्तथा । जसुसुचवमक्र हृददय ॥ पूर्वत
 हिमवातनिष ॥ धमा ल्यवानया निधानयक ॥ गत्व मोदनमन्यंचदमकृदाद
 यानग ॥ यायाधयसुप्रधावाया लाज्मानलादवता । कृताम्नी निषजं गृह्य
 यातस्य नटाहृगु ॥ कटका म्नी नि ॥ तन्वादे ॥ स्तू ॥ प्रसू ॥ सावनमिथो ॥ उत्स ॥ य
 सर्वेषं वाविप्रवाहनिर्ज न ॥ ननी । तु कदवावा म्नी । दवरवा तवि लगुदौ कचंग
 लुसेला सुयेहं चूता सु लायलागागव ॥ रवनि ॥ म्दियां माकव ॥ स्यालयादा ॥

शी

पुनः नय चैता ४ उय ल्यका ननु गसुना लुमि नू र्वमं त्यकां । धातु मेन ४ गिला
 यदं ल्ये विक लु वि ष घ न ४ नि कू ऊ रू ऊ से वा क्री व ल ता दि पि दि भा द न ॥ ०
 लील वर्गे ॥ अट व्य ज ल्थं वि यिन का न त न ग ह न व न ॥ महा ज ल्थ म व ल्थ नी
 ग हा ता सा सु नि क टा ४ आ वा म ४ स्या ड य व न क वि र्म व न भ व य न ॥ अ मा न्य ४
 न मि का ग हा य व न व क वा टि का । य मा ना की उ ड या न वा ह ४ सा ध न धं व न ॥
 स्या द न द व य म द व न म न ४ य वा यि न ॥ वी ध्म लि य भा व लि ४ यं कि ४ ण ली ल

३०

खा तु ना ज य ४ व न्ना व न स म ह स्या द कं भा रि न वा रि दि ४ व क्रा म ही व र ४ ण
 ण र्वी वि ट वी वा द य स र ४ अ ना क ह ४ क ० ४ ण ल ४ य ला मी ड् मा ग मा ४ व न
 स्य ल्य ४ रु ले य र्वा र्के न य र्वा व न स्य ति ४ उ व ध्या ४ रु ल वा का ना ४ स्या द व ध
 ४ रु ल गे दी ४ व र्वा रु ला इ क जी य रु ल वा ना रु लि न ४ रु ली य रु ल्वा रु ल
 ल सं रु ल वा का य वि क र स्के रु दा ४ रु ल्वा र्वा वि क सि न स्य न व ल्थ द य मि
 य । स म्भ न वी मी ध्रु व ४ णी कं जा स्व ण र्वा गि रु ४ रु य ४ अ य का लु रु म्भ

कृष्णि शिखा का का नी का क ना सि का । गम धा य दी तु मू व हा मू स ली ना
 ल मूलिका अऊ ल जी विषाणी स्या । ज्ञा डि द्वा दा वि स म ना म्ब ल दं श्रु
 ताम्ब ली ना ग व ल्कु थ दि जा ह य ह्म प्र मू का को नी क यि ला ह स ग मि
 नी प्र ल वा लू क म ल यी सु ग वि ह वि वा लू क वा लू क य र थ पा ल श्रं
 क मू द् ४ क द् क द् न । वा लं जी व ल व र्दि ष्टा दि र्थ क ण म्ब ना म य ४ ।
 का ल न सा यी वृ द्वा ण म्ब य सी न गि म वा नि य ह ल यी । वा ल व ल्कु न्

शी

३२

३२

दे द्या ग ध कृ य मू ना ग मि नी । ग ज र कां तु स व हा मू व ली व सा क द् न
 की ण ल की ला दि नी नि रं अग्नि वा ला म्ब रि क तु धा त की धा त पू षि का ।
 य धी का य द्वा ले ला नि कृ टि वृ ह ला थ सा ण् श्रा उ य कृ थि का तु ल्का
 न जी वि ष य कृ टि । या धि ४ क र्ध या नि हा यं या दं या क ल मू त्य ले ण
 वि ना यी न य ष्या स्या न्क ण न्य थ वि रु न्न क ४ मा ष र म ला क्का उ ता ली णि
 वा म ल की ति य । य व लु ली की पू लु य म थ तु न्न ४ क व न क ४ क नि ४ क न ४

श्री

कूमात्रक ४ पूनः शु पूनः वसु ४ क गत्रादव वल्लर ४ य निरुड
निम्बनवर्मन्दाव ४ पालि जातक ४ नि निःणस्य न्नान नमीनथद्व
गिमरु क ४ व पूरवणि प्रकृत्वाथदोयीमनकायीगनो। आमुनका
मधूक तुगु उयूयमधूडमो। वानयसु मधूध्रीलो। जलक डगु
मधूला क ४ पीलो लु उल ४ मुसी तस्मि सु गिनि समुवा जका उक
र्यवालो दाव ॥ १० तुनिकाव क ४ यला ण किं शु का ४ यरु वाग

देव

३५

श्रुतिमात्रक। काकवू ४ कलक ४ काकपीलक ४ काकनिद्रक। गमली
ठामाटलाय ण याटलि भी क सुक को। किलक ४ कवक ४ श्रीमान् समो
पि वल्लमा वू को। पीयर्षि काक सुदिका क म्ही के र्य क हली। क मूक ४ य
दिका र्य ४ स्या त्य दी ला का य सादन ४ नद सुयूय ४ क मूक उ क दा वू व।
गूल वरनीय पिय क क दम्या सु द नि प्रियि। वी व व का इ वू क ना गि मूखी र
ल्लान का वि मू ग द र ॥ १० क द बाल क पी तनं स्या र्थ का ४ प्र कृष्य नि नि

लीविशसहिका रथयातमाके। सऊकासनवधूकयव्यजीवका सावतुः
 सऊकाव्याथकण्टिका ॥ गमसम्वन ॥ नदीसऊा। वीरनयविनुद्र ॥ कक
 हाऊन ॥ नाडादनरुलाधककोविकायामथदथ ॥ ॐ ऊदीतायसतनू
 इऊवर्मिमइत्वयो। पित्रिलायलिलीमाशास्त्रिवायू ॥ मालमलिदथा ॥
 यिकातुमालमवधवावन ॥ कटमाललि ॥ विवविस्वानकमाल ॥ कनऊ
 शकनऊक। यकीर्य ॥ वपूगिकनऊ ॥ पृगिक ॥ कनिकावनऊ ॥ कनऊरुदा ॥

था

३४

३५

३६

मेकुलामकइऊाववल्लरी। वाहीवाहिनक ॥ प्रीदगुयविमपूष्यक ॥
 मयलीवालननय ॥ खदिनादकधवन ॥ आयिमदांविद्वदिवा। कनद ॥
 खदिनसिगा। सामवल्कायथयाद्यपूकगध्वदसकोनवपुउनूक
 ध्वनूकशिगुकेषस ॥ वेश ॥ येश ॥ जलामपुवर्द्धमानव्यउम्वक ॥ अ
 ल्यासमीसमीन ॥ स्याचूसीसुकरुलागिवा। यणीनकामनूवकांमनूव
 स्वसन ॥ कनहाटक ॥ गल्यधमदनगकुयादवयाविरुद्रक ॥ रुद्रवावर्द्ध

धा

कयी न न ॥ लिखि लाय्य वाय्य यंश्च म्य का ह म यू य क ॥ न न स्य क लि
का ग ल्प रु ली स्या द थ क ल ना व क ला व ॥ उस्ता ल्प क स मो क न क र व दि
मो ॥ वा म्प य ॥ क ल ना ना ग क ल न ॥ का च ॥ ना द य ॥ उ या उ य नी ग क
नी ना द यी वे ज य नि का ॥ ग्रा य क्ते म ग्नि म न्म स्य ॥ न ल्प लि का ग नि का
नी का उ या थ क ट उ ॥ ल को व ल्प का ग नि म ल्प का ॥ न न स्यै व क लि ॥
॥ न्म न्म य व ह द र्प रु ल ॥ क क्क या क रु ला वि ग्न स थ व ल्प ॥ क न म द क ॥

३८

३९

३९

युं न स्या द व ना प्र हं शु द्धान व ना प्र स्या द ॥ काम म म्मि य न्म ॥ व द्वा न्म य म्म लि
न्या व हि द्वा न्म य का कू का ॥ गृ हा व ग्नी द ह न्म न्म लि न्म ज्वा न्म प्र स्या द्वा न्म नि ला
ना सा दान्म य वि सि र्ता ॥ यु व न्म म न्म द्वा नी ॥ स्या न्म य क्क दान्म न्म य क्क क ॥ व ली क य
ट व यान्म थ ट ल क्क दि ॥ ल्प यान्म सी तु व ड ही क्क दान्म व क्क दान्म नि ला क यान्म यान्म
का यान्म वि ट र्क य न्म र्प स र्का ॥ म्मि द्वा द्वा न्म य नि ला न ॥ स्या दि त दि स्तु व दि का ॥
ता न्म म्मि व हि द्वा नी ॥ यु व द्वा न्म ल्प यान्म ॥ कू टं यु व द्वा न्म यान्म नि ला न्म यान्म

शी

जीवन्तिक लयि बत्सादनीचिन्नरूहागुपूचीतन्त्रिकामताजीवन्तिक
कासा मव लीचिगल्या म धूय लयि मूर्त्त्यो दवा म धूय सा मानडा गऊ नी
ल्वाम धूलि काध नू ४ धी रंग कर्कु यी लूय लयि यालै ७ म्यष्टा विद्वः
कल्लु सय नी लय सीन सा ७ कल्लु स्या मा यलीं या ची ना व न तिकि का ॥
कट्ट कट्ट म्ना रंग का ना दिमा कट्ट ना दिमा ॥ मत्स्याय ला क वृ ह दी व
का जी न कू ला द नी दा त्म गु फा जा ठा ध लु म क लु ना या व वा य मा म व्य प्रा का

३५

४५

४७

लुक निमिः क यि क नू य म कू डी यि ग्रा प यि ग्रां न्य रंग धी उ व नी य म् च नी वृ वा
य ल्य नू धी स न ७ धी न लु मू यि क य लु यि ज्वा मा र्ज ७ ली य नि जा धा मा र्ज
मयून को ७ य ल्य क य लु की न य लु कि मि ही त्व न म डी ७ जी ॥ रु जि का वा म् ७
धी य मा हा जी वा म् ध या षि का य म् न व नी ७ वा म य ध म क व च्च न द्ध का ७ म डी ७
हा यि का सा जि जी स म म् काल स यि का म लुक य लु ल लु नी ल लु या ऊ न
य लु यि या सा इ य र्ज ध नू यो स ७ कू ना न क ७ ना दि नी क कू ना न का म

शी

४३
५३

इ का ल य क ह त्रि उ व श द वी य व म्य वां द नू ह त्रि डां य ऊ नी त्वा यी व चा य म
वै ऊ न्ना ग म ला मी न न य धि का ॥ शु क्रा हे म व ती वे द्य मा नृ सि द्धे तु वाम कां य
षां ट नू व ॥ सि हा स्या वा स कां वा जि द न्क ॥ ४ आ स्हा टां गि त्रि क ण्णी स्या दि प्र
का नां य ट वा जि नां ॥ शु क ग न्धं तु का ॥ शु क ॥ का कि लां कृ व कृ वा ॥ जाल य ॥
स्या द्दी न नि व ॥ शु गं म ध त्रि का मि सी मि म्था ॥ य थ सी कृ ॥ व ज ड ॥ मू कं स
हं गु ठां स म न र ॥ ॥ था व लं मं मा द्या वि न ग ॥ ल ग न्दु नं श क मि द्यु शं वि उ नं यं

न यूं स कं वा ला वा द्या ल कां ॥ य ॥ न व वां तु ण न य धि का ॥ म दी का ग म नू नी डा
कां स्या दा दी म धू न स नि व स वी न र ति ॥ सू व हां नि य नां वि व नां न व नृ ॥ वि र द
हो त्र य नी ॥ म्मा मां या ल ति र ॥ वी तु स व धि का का लां म सू द वि द लां द्रि य टां क
ल म धि का ॥ म धू कं क्री न कं य धि म धू का म धू य धि का ॥ यि दा नी का त्र लु कं ण
कृ ग न्ध का द्दी य या सि ना ॥ न्या क्री त्र यि दा नी स्यां त्म हा ॥ ज नार्क ग धि का ॥
ला कृ ली ॥ न दी ना य यि य ली ग कृ ला ड नी ॥ त्व न्ना ॥ का न वी दी धा म य नां

डी

लायसक ॥ (ग) योऽथ मां गत्रिवां स्यादमन्नात्यलम्भत्रिवां याग्वमद्विष्ट
 सिद्धि लक्ष्मी वदत्रयां कया लम्भ कदली वा नक्षत्रावमाया कुलां क
 ला मङ्गयल्लुं तु का कमजं स हयपि ॥ वाग्नाकां हि गुली सिंहा हउ
 कोइ ॥ य प्रविष्टी ॥ नम कृ ली सुनसां ग्रास्तां सुगन्धगन्धना कृ ली न कृ ली सिं
 व नुज जां को वृ ग्रा की सुवहा वसा ॥ विदा विगन्ध कु म तां ल य ल्लुं सि
 ना कु वा ॥ तुष्टि क नी समुडा नां क यो सी वदत्र निवा ॥ हात्र दाजीं तु सा वः

४३

४४

४५

न्या ॥ जी तुम वहा वष ॥ गै नू की नाग वलां मृषा दण वधू का प्रमाजे वाद्या
 वक ॥ स्या लम हाजा ली सं पी न क ॥ ली स्त्री य टालि काजा ली नादयी ह मिऊ म्
 का स्या ल्जा र्ज लिक्क गि गि ल्वा का का जी का क नासिका ॥ ग प्र व दी तु सुवहा ॥ मृ
 ली ताल मूलिका ॥ अजं गी विवाही स्या ॥ ग कि कां दा द्विके समंता मूल वल्ली ता
 म्वली नाग वल्य यथ दिजा ॥ द व गू न नू कां को नी ॥ क यि लां ह स्य गं धी ती ॥ जल वा
 लू के मयं सुगन्धि ह लि व लू क वा लू क वा थ वा लू कां ॥ कृ मृ द ॥ कृ दू कृ दू री वा

श्री

लंहीवलवदिष्टादिव्यकींमन्नामया कालावसार्यवृद्धाभा। वृष्यसी
 वजिवा निवलेल्यतालयकुंडु। देव्यागन्धकूटीमूनागधिनीगडर
 का तुसुवहासुनलीनसा। महनभांकुन्दूकी। गलकीझादिनीगिय। अग्नि
 कालासुरिकुंडु। धनकीधनृयुधिका। वृथीकात्रेवृवालेला। निवृटिर्वि
 हलाथसांशूआपकंयिकानुत्ता। कात्रजीगियूटाग्रुटि ४। याधि ४। कंय। या
 त्रियंयाद्यंयाकलंसूत्यली। गतिनीयौयूयस्यांलक्षणान्य। थविनुन्नक ४। ज

४४

४५

४६

गडैरमलाकुटांगवाली। निवागामलकीनिचं। वयोपुत्रीकंयुयुयंभरु
 न४ कंयन४ कंयि४ कंय४ कानलकां। नंदिवृकांयनारुसी। यंभंघन
 हरीकंम। द्युवंगमहासका४ याधायुधं। पुनयं। कनऊरंयककाल
 की। पुथिनांविद्वजलता। कयागाधिर्नदीनली। धमन्यंजनकजीचदन
 हृदविलासिनी। पुकि४ संय४ कंय४ कानदलंनखमथरांकी। काकी
 मस्यानुवजिका। मतालकंसूनाकुडा। कटनूटंदंययूत्रं। वानयंयलि

यत्नं वा प्रवर्गभयनां गमनं च केवली मूसका निवृत्ति यन्नं शुके व
 ह ४ यूष्यं स्त्री नगध्ववनय कूकू वां मरुत्सालां तुं यिष्ठुनां धृकादधी
 लनाद्य ४ समूधानां वधू ४ काटी वधीलं यिकल्ययि नयस्त्रिनी
 ऊठामां भोजं टिला लामिषी लक्क तुं वं प्रवर्गभयनां गमनं च केवली मूस
 का निवृत्ति यन्नं शुके व ह ४ यूष्यं स्त्री नय कूकू वां मरुत्सालां तुं
 यिष्ठुनां धृकादधी लनाद्य ४ समूधानां वधू ४ काटी वधीलं गमद

शी

५४

५४

५४

५४

ययिकल्ययि नयस्त्रिनी ऊठामां सीं जटिलां लामिषी लक्क तुं सुल्क ४
 रुगं लवचं चं यनार्गे के कश्चन कां डा विलक ४ काला कां वधमख क ४
 डावधमा जातिमा वं सून जातो सवैभो यधं ॥ गमका ४ र्वां यत्र यव्यादि ननु
 लीयां रल्यमानिष ४ विकल्पान्निगित्वा नत्तां रुलिनीं नकुपूय्यो यिं र्वा
 दकगन्ध्यां युगलां द्यां वगी वृद्धदात्र क ४ रुग्मी वाक्की रुमल्ल्या की वयस्त्रिनी
 मवल्लनी वं रुयली हेमवनी स्ववर्कू काजी हिमावनी हयवृक्षी रुका म्या

ॐ सावय ॐ महासहा । तु लि क नो न करु ला । विम्वि कां या लू य षे पि ॥ वव
 भाक व नो ॥ तु जी । ख न य द्या ॥ जे ग न्धिका ॥ ५ ला व ॐ । तुं स व हा । स्त्री य कं न सां
 यं सा । या ॥ जी ॥ वृ क्ति का द न्न । १० ॥ ० ॥ वैष्णव स ला लिका ॥ सह मु व धी ॥ वृ का उ न्न ॥ ४६
 व न स ॥ ग न व धी ॥ यि ॥ न म स्की जी ग तु का नी । सम झं ख दि नी रु यि ॥ जी व ॥ ५०
 ना जी वा ॥ जी वा नी या म धू य सा ॥ ४ ॥ क र्त्त जी वी म धू क न ॥ ४ ॥ र्त्त जी वी म धू क न ॥ ४ ॥ र्त्त जी वी म धू क न ॥ ४ ॥
 की । कि त्रा नं ति का ॥ रु नि म्बे म्बा ॥ इ ना त्रा र्थ ति का ॥ थै स फ ला ॥ ४ ॥ वि म ला सा

त लां रु नि रु ष्म च र्म क (६) ॥ १० ॥ वा य सा ली खा इ न सा । व य लो थं मू क क र्त्त जी ॥
 य य ला ष्म यि ॥ का ल व ल ॥ ४ ॥ क षि ल क ॥ स र्व वी या थं क ला वा य टा ल सि क
 क ॥ ४ ॥ य ॥ ४ ॥ क र्त्त जी ॥ क र्त्त जी ॥ नि र्वा न ॥ ४ ॥ क र्त्त जी ॥ म्पि यो ॥ ४ ॥ क र्त्त जी ॥
 तु म्बी ॥ ४ ॥ तु म्बी ला व ॥ ४ ॥ वि वा ग वा की ॥ ४ ॥ वि ष्म ला खि तु वा नू मी ॥
 आ ष्म य ॥ ४ ॥ ग र्त्त जी ॥ ४ ॥ ग र्त्त जी ॥ ४ ॥ ग र्त्त जी ॥ ४ ॥ ग र्त्त जी ॥ ४ ॥ ग र्त्त जी ॥ ४ ॥
 ल क ॥ ४ ॥ ल क ॥ ४ ॥ ल क ॥ ४ ॥ ल क ॥ ४ ॥ ल क ॥ ४ ॥ ल क ॥ ४ ॥ ल क ॥ ४ ॥

यथा रात्रौ यो । तूला न का थं सां सिता लामा मित वीर्या यंग लुं लीं ग कृत्वा
कृक ठा कृत्वा विद्या भयना मां । अस्मा मूस्त क मं मिथ्या । स्या इन्द्र मस्त कां गु
द्या वृत्ता ला वक्र लां च तां । वल लाक्ता न क म्मा नं त्वचि सात्र न न ध्वजा धां
न व चो य वरु ला वल मस्त न न ज ना धा व व ध ४ की व का सं स्मृ थ्य स्य न थ
मि ला द्ध ना ४ ग ल्ति नी य च यै र्वा यी गु तु स्तु ज न क ४ न त्र ठा न ठं सं ध म न
धा ट ग ला थ का ग म मिथ्यां ०० कृ ग न्धं या व ग ल ४ व सि त्वा सिं नु व ल का धा

गसा त ०० कृ स्तु रु दा ४ य धु का ना त का त द य ४ स्या दी त धं वी न ग र्वा मल
स्या नी व मं मिथ्या । अरु य न ल दं स थं । म म ल ल ज ला ण र्वा । ला म ऊ क ल
धूल थ । म व द द ०० का य थ । न ला द य स्तु नं ग म्मः द्या मा क य म्म वा अ थि ।
अ स्ती कृ ण कृ त्वा द द ४ य चि ग मं थ क र्त्त मं । या त मी ग धि क धा मः द व ज
म्य कं प्रा दि र्वा । कृ णा ति कृ ण या ल थ्यी । मा ला र्त्त धा कं स्तु धि । ण य वा ल र्त्त
लं द्या सा य व मं र्त्त म क्क धं । र्त्त धा नां स र्त्त ति स्तु ध्या । न य स्तु न द र्त्त ति ४

हस्तनाकाकायस्मात्ता। नात्रिकलैस्सुं लागेली था लभतुयूग ४ कमूका
 गुवाक ४ खयूग्रां स्यात्। हलमैक्षंगमैभवै। दिनालेसहिस्मासुय ४। खऊ
 ४ कनकी काली। खऊ नीच हनडमा ४॥ ७॥ ४०॥ निवमोषधिवसो ॥ ॥
 सिहाकृत्तु ४ ययस्या। दय्य ४ क ४ क ४ जीह वि ४। अद्वदीपि नैयाद्य
 ननकुं सुं मृगद न ४ यंत्राह ४। शुक्र घृष्टि ४ काल ४ थात्री कि वि ४ किटि ४॥
 डंकी थाधी। सुद्व तामां। आता ह दात्र ४०० ययित्रै क पि पूर्वत्त। अट्वाः

काल स्त नद ल मा ल स्या र्या वि। शु व्यथ सिद्ध क ४ सिद्ध वात्र
 सानि सो निगुली द्या धि क ययि। वधी खत्रागत्रा दवठा मूत ४०० ययि
 णाह सि नी तु रत्र ४। ४०० सुन्य कुमलिका हय दीषत ही नृष सवा
 वास्तु ता व न ह वा। ग हालिका तुसू व दानिगुली नीलिका यसा सि
 ता सो ण्य त स न सा ह न य न्य थ मा ग धां ग धि का यथि का मू क सा पी ह म
 दधि का॥ अतिमूक ४ य ४ क स्या दा स नी मा ध वी ल त सू म ना मा ल क

॥ ति ॥ सय सानवमालिका । माद्यां कृद्वक कस्तु वक्ष्म वक्ष्मी ॥
 क ॥ सहा कमाजी तत्र मित्रमानस्तु महासह । वज्र (म) कृव क
 स्तु यी न कृवृष्ट क ॥ नीलामिष्टी दया द्योऽम दासी या रुगल श्रमा
 सेनय कस्तु यिष्टु स्या रुस्मिन् कृव कावृष्ट । या गा । कृवृष्ट का मि
 ष्ठी नस्मिन् हय नो दया ॥ उदु पूव्यं उ ना पूव्यं । वज्र पूव्य निलस्य
 यत्ता तु तिहा सगनयामय पुन हयमान का ॥ कनीन रुक कत्रय नि

७०

५०

५५

शी

वज्र धात्र
 का बाल मूरिव को वृं वृं हनी गन्ध मूर्वी दीर्घ तुन्ना दिवांध का । सन
 तु ॥ क कलास ॥ स्याः लूण ली गृष्म धिका । मृतां मृती ननु मायां लुना
 रुम कटका ॥ सम ॥ नीला मुम किमि ॥ कर्पु उलाका ॥ नय शूर
 वृष्टिक ॥ शूक की ॥ स्याद निद्र (मै) तु । वृष्टिक ॥ यात्रा वन रे कलत्र
 व ॥ क या गौ धग न्मदन ॥ यणी (म) नड लू कै सुं वाय लात्रा गै थव को ।
 व्या ॥ ॥ स्य रुग यो ऊ ॥ ख उ ॥ गी द का । नु ख उ ॥ न ॥ ला ह मृष्ट मुक

कै० स्या० दै० थ० वा० व० कि० की० दि० वि० ॥ क० त्रि० गै० ध० मा० टा० अ० थ० स्या० च० य० य० न०
क० ॥ या० चो० द्या० टा० थ० सा० न० ती० ला० क० के० ज्ञा० न० क० ॥ स० मा० ॥ क० न० वा० च० ला० म० च०
उ० ॥ क० क० ॥ ग० न० ध० म० य० ध० ॥ य० ॥ क० ॥ क० न० वि० के० ॥ स्या० ॥ द० ल्य० ॥ चो० च० का० न०
था० ॥ ध० म० न्य० वा० न० के० न० ॥ स्या० य० स० च० न० के० व० दि० ॥ क० के० प्र० न० ॥ स्या० क० क० ध०
क० व० त्रि० ल० भो० ॥ व० न० पि० द० ॥ य० न० ह० न० ॥ का० कि० ल० ॥ यि० के० ॥ ल्य० यि० ॥ का० का० न०
क० न० टा० नि० क० ॥ व० त्रि० प० ष० स० ह० ल्य० ॥ अ० ॥ धं० का० ॥ ले० ध्या० य० य० न० ह० ॥ लि० नु० म्वा० य०

सां० ज्ञ० यि० ॥ दो० की० क० म० का० ला० ॥ धा० रु० ह० ॥ का० ल० क० ॥ क० ॥ ज्ञा० ना० यि० वि० लो० दा० का० यि०
ग० ॥ सी० की० लं० गु० को० स० मो० क० ॥ दू० का० व० श० थ० व० क० ॥ क० क० ॥ य० ध्य० ना० क० सु० सा० न० स० ॥ का० क०
ध० क० वा० का० न० ध० म० क० य० ना० म० क० ॥ का० द० म्ब० ॥ क० ल० ह० स० ॥ स्या० ॥ दै० न्का० न० क० न० त्रि० स० मो०
हं० सा० सु० ध० न० म० न० ॥ ध० का० र्ग० मा० न० मो० क० स० ॥ ना० ज० हं० सां० सु० नं० व० शूरं० व० न० लो० न्नी० दि०
वै० ॥ सि० ना० ॥ म० लि० ने० म्मि० लि० का० व्या० म् ॥ ध० रु० ॥ ना० ध्या० सि० न० न० ॥ ना० ना० नि० ना० टि० ना० ति०
धै० द० ला० का० वि० स० क० णि० का० ॥ हं० स० स्यं० या० यि० द० न० टां० सा० न० स० स्यं० गु० ल० म्म० धा० ॥ उ० नु० कौ० जि०
न० य० ना० य० ॥ य० ना० ध्या० ॥ लि० या० यि० का० ॥ व० म्म० धा० म० कि० का० नी० लां० ॥ स० न० दां० मं० ध० म० कि० का० ॥

यतागेकायुक्तिकायादं संसृष्टनमकि कोदं नीरुक्ता निवत्य स्या गच्छली वन
 दादया ॥ हृत्तं वीर्यं कां वीर्यं पिल्लिकां वं समां हृत्तं मां समीय नर्गं सल्लोत्तया
 नाश्चानिपिंगं शमधूतं मधूकं मधूलितं मधूयालिनं ॥ दिव्यं वृक्षं वृक्षालितं
 हं गयद्यदं मलालय ॥ मयूत्रावर्हिनावर्हिः नीलकण्ठं जुहं मयूकं । गिया
 बलं ॥ निरुक्ता ककीः मयना वानलास्यधि ॥ ककावाभी मयूस्थः ।
 समीयद्वकमवको निरुक्ता वृक्षानि वृष्टं सुपि क्वं वदन् नयं सक । खगं विहगं वि
 हगं विहगं विहगं मविहाय स ॥ मकृन्ति यकि नृसकृन्तिः मकृन्त मकृन्त सिजा ॥

पौ

५२

५३

यतल्लुचिं यत्र गयतल्लुचिं यत्र दजा ॥ नलो को वा जिं विकिर्न विविचि नय
 नृय ॥ नीशो हृवागत्रुत्तन ॥ थिल्लं को मठं सलमा ॥ मया विमया महुका
 नीमामहुको नृपुवं प्रवाश निद्रि वि ॥ कृक्कं लावाजी वउशी वय कानक ॥
 कस्मि कविटि रको । वरु को वरु कादय ॥ गत्रुत्त कृक्क दा ॥ यदं यतल्लं यतल्लं
 नृस ॥ म्प्रोय कति ॥ यक्रमल्लं वयं म्प्रोदि नृत्तं म्प्रोयो । यती नाडिनं संडी नाभा
 ता ॥ रवगगति किया ॥ थथली कायां दिही नं पुं । कलायां नीउममिया । यात्रुग ॥
 याका ॥ कृका ठि म्प्रु ॥ यथ क ॥ भावक ॥ म्प्रोयलो मिथुनं ददं । यगं तुं यगं लं य

शो। समूह निवहंयूह ४ सहाद विस्त्रुजां ४ सौ भोद्यनिक रंवा नः वानसंय
 तं संवया ४ समूदाय ४ समूदय ४ समवायं श्रयाग ४ म्प्रियां नुं संह निवदः
 निक रंयथ कदम्य कः वरुदा ४ समे र्वर्ज ४ संवसा (यो) दुऊ नुहि ४ सजा नी
 य ४ कृलयथः निव शीम्यं नयं सक यषूनां समऊ ४ न्यषां सवाजां थस धर्मि ५३
 क्षां। स्यान्निकाय ४ यं ऊवाणीः नृकै ३ ४ कृटमम्रिया कायात (लो) क मां म न
 लिनादीनि तर्ग (ल)। गदा न का ४ यकी य मय का का मृष्ट का ध्य न ॥
 ४० नि सिंहा दिवर्ज ४॥ ॥ म नूय्या मा नूय्य म नूय्या म नूय्य म नूय्य ॥

+ या २

+ युगी २

* नूय्य

मान वां नरां ४। त्य ४ यमान् ४ यं व ऊना ४ यत्रूषा ४ यत्रूषा न न ४। म्प्रियां वि
 दव लोवा नात्री सीम नि नीवधू ४ यद विनीः यामाः वनिता महिता दथा ॥
 वि (ग) वां स्रुं गीं क्षां री वृ ४ कामिनी वाम लाय ना। यमदा। ए विनीः का (ल) ल लं
 नाय निग म्प्रिनी ॥ स्रुव्री। कै त मधी तामा (का) यना स्रुव्री नी। वत्रा त्रा हा
 वरु का सिन्य रु मां व न व श्रुती ॥ कृ ता लिष कां महि वी ॥ शं गिं न्यां न्यां नूय्य म्प्रि
 य ४। यत्नी या मि ऊ हा नां दिनी या सह धर्मि क्षा ॥ ए यी जा या थ यूर मि दां त्रा ४
 स्या तु कृ तु मिनी ॥ यत्रूषां स्रुव्री यो तुं सगी सा श्री य निवता ॥ क न सा यत्नि कां

* व २

धृष्टि विविनां धस्यं वत्रां तनिं वत्रा वय्यायै कल मुकल पा लिकों
 कन्या कमात्री गोत्रा तु नगिका नाग नाहू वों। स्या न्मध्यमा दक्षत्र जास्तूभी
 वती ४ सम। समा ४ मूष्म ऊठै नी वध्व विविधितु स्य वासिनी। ६० वती का
 स्या दृषस्य नि "तु कामू की। का न्नाथिनी तु या यगिः स क नं सा हिसा त्रिः
 का। यं धली धयि नि वंध प्सती कल ४ वत्रा। सौ विष्णो यां गुला दधिष्ठी
 नि तु नायि नात्र अत्रा मिष्यं गिसू तां विष्म विध वंस मं। अरु वी वयस्य
 यं धनियती सह रुका। वदा व त्रि की या ही तु पु स्या ह्य तु धी मनी। स्या गूढ
 लिस २

३४

३५

३६

स्य लार्था स्या दूडा न कात्र च वज्रा ही नी तुं म हा गूडीं जा यया गया ४ समा ४
 आर्या भी स्वय मार्या स्या रुद्रिया क मि यो ल्यं पि न उ या धम र्वा र्य वा या
 धमयी स्यां हां वार्या यिं वं स्य न १। आ आर्या म नूष्यां मा नूषा मर्या म नूजा ६
 मान वानत्रा ४ यमान् ४ यथै ३ जना ४ यत्रू मा ४ यत्रू वां नत्र १। म्प्री या यिदं
 वल्गा वां वां नात्री सामि नी वधू ४ यनी दद नि नी वा मा व नि ना म दि ला न
 मं विष्णो वां स्तं र्ग ना ही नू ४ या मि नी वा मत्रा व ना। उ म द हा वि नी काः ना

लेले नाच निरुद्धिनी ॥ सुच गीत मभीता मां काय नासे तु हा मिनी नात्रा हां
 वरुकासिं वृक्ष मां वन वरुिनी रु कृता विष काम दिषीं हा निन्या न्या
 नय म्मु यथ पत्नी पाणि गृहीता चाद गीयां सह धर्मिणी ॥ तारी काया रथ
 यं रमिः दाया रं स्यान्नु कदु मिनी ययथा सु वचिग्रां तु सता साधा युतिव
 ता ॥ कृता सायलिका रथु रं रधि वि वा रथ सय सचा याति सचा वर्या रं कन
 मी कलयालिका ॥ कला कमा ची जो ची तु नयिका र नाग गार्ह वा साने धमा र

३५

३६

३७

कचअ सु चनां यवति ॥ समा ॥ सुखां जनी वधु मिचिंठां तु सवासिनी ॥
 रूयुवती कामका स्यादु रव नी तु कामकी ॥ कां तथिनी तु या याति सुक त सा रि
 सा साचिका यं न्वती धरिनी वधु रं सता कल रं लयी ॥ १० ॥ सचिनी यां सुता
 वंसा दमि नी जि म्ना वि ना ॥ अरी यां नि याति सता वि म्ना वि धव स म ॥ आ
 रि ॥ सखी वयसा व यति वली सर र क ॥ वृदा यति कु या र्ही तु यहा या र्ही तु
 काम ती ॥ मूडा सुड स रारी स्या वृडा न जाति य व रं ॥ अरी ची तु स हा मूडी जा

त्रिपुंयागया ४ सम ॥ अर्या नाल मर्या स्यात् कृति यां कृत्तु या न्नायि ॥ उवा ॥ आ या
यवा ॥ अयि स्या दा या या यि व स न था ॥ अ वा या ना तु यं या हा स्या द र्या कृत्ति यां
तथा ॥ उवा ॥ आ या न्वा या ॥ अ यी या ठ ठा म्मि यं स ल कृ म्म ॥ वी च य न्ना वी च ता
र्या ॥ वी च सा ना तु वी च सु ॥ जा ना य यां पु जा नां वं पु स नां वं पु स ति का ॥ म्मि
नी ग का का ठ वी स्या इ नी स ॥ अ चि के स म का या य न्ना द व द्वा या का खा या व स
ना ॥ व वा ॥ से चि शु य च व म्म स्या स व ॥ अ जित्य का चि का अ मि क्री स्या द

३१

३१

३१

दा यां पू व्वां न ४ पू न या च षी ॥ वा व म्मि ग धि का व ष्य न्ना या जी वी ॥ इ थ स
ऊ ने ४ स ल कृ नां वा न म्म र्वां स्या ॥ कृ द नी म म्म ली स म ॥ वि पु मि का ल्वा
कृ क्षि कां दे वं ली ॥ इ थ नं ऊ स्य ला ॥ म्मि ध मि ल्वां वी ॥ वी म लि नां पू व्वा व
ह्यां यि ॥ २० ॥ म्म तु म्म ल्वां य द क्का ॥ इ यिं स्या द ऊ ४ पू व्वा मां व र्क वी ॥ पु
वा ल्वा द्वा द व नी ॥ नि क्क लां वि ग ना र्क वी ॥ आ य च स त्वा स्या पुं धि ल्वा
न च्च ली य न हि ली ॥ न लि द स म्म ग मि क्का ॥ अ हि ल्वां यो व नं व ॥ पु न र्क व
दि धि य न्ना द दि स म्म स्या दि धि व ॥ वा नि ४ स म्म दि का ॥ इ ग म्म नं दि धि य

प्र
प
थ
म
॥
१
॥
५१

सैव यस्य दृष्टि नि ॥ कानो नः क न्य का ज्ञानं सुगा इथं सुलग्न
सग ४ सो ला गि नय ४ स्या त्या न सै (धय सुं य न मि यां ठां थै रु व सम ४
स्या त्यै रु व श्री गं थं धि रु व सु ४ स तौ मा रु व सुं श्वे वं ने मा रु या वि मा रु
ऊं ॥ अ थं वा न्ध कि नय ४ स्या ध न्ध लं श्व स नी सू न ठां की ल ट गां हि रु व
की रुं स तां य दि ॥ न दा को ल टि न या र स्या ४ को ल ट या र यि यां त्म रु शं
आ त्म रु सु नय ४ सु नू ४ स ग ४ य ग ४ मि य त्वं मा । आ रु रु हि न नं स व ४

५१

अनुनीयानाम ७

हये न्यं ना कं तया ४ स म स्व जा नं त्वा त्र स न सौ ना गं सुं ऊ न क ४ पि ना ॥ ऊ नं यि जी
व स मा ना ऊ न नी ॥ रु गि नी स्व सां । न ना चं तुं स्व सां य त्यु न्नी फो यो गीं स गी त्म जी ॥
हा यो सु वा नि व स्य या त्र ४ स्य ४ य त्र स्य नं । या जा व नी या रु जा यां मा ग ला नी तुं म
तु ली ॥ ३० ॥ य नि र्यं थो य मू ४ ध नू ४ ध नू त्र सुं पि ना न था ४ ॥ पि रु या ना पि
यं ४ स्या त्मा रु वा तु मा तु ल वा सा स ला ४ स्य जी न न ४ य न्धा ४ स्वा मि ना द व द व ४
प्रो स्व मी या हा गि न य ४ स्यां ऊ मा ना इ दि रुं य नि ४ ॥ पि ना म रु ४ पि रु यि ना ॥

करोया किं कं

श्रीरुद्राय नमः

नस्ति तांयपि नाम ह ॥ मा तुम्मा नांमहा देवं सयि अनुसुसना हय ॥ समा ना
 दया सादर्याः सग रुस रुजा ॥ समा (ग) व वा न्ध वा ह्ना नि. वन्ध स्व स्व ज ना ॥ समा ॥
 ह्ना नयं व धू ता न वाः कु मा रु व समू ह या ॥ ध व ४ प्रिय ४ य नि ह्नां जा न मू य य
 नि ४ स भो ॥ अ म न जा न ज ४ क णु म न रु ति ति (ग) ल क ॥ ना वी या ना व जा ना
 रु रु मि न्नां जा न प्रा व रु ॥ मा ना धि न प्रो मा न प्र धि न प्रो च नो ॥ श्व शु श्व नु प्रो श्व
 नु प्रो य प्रो य प्रो य इ हि नां च ॥ द म्य नी व द म्य नी लो यो व नि। जा या व नी च नो गे रु ॥

शी

५०

५६

नथां ऊ नायू ४ स्या इ त्व थ क ल लो र मि या ॥ सु नि मा सा वे ज न नां ॥ न रु रु रु रु
 मो स मो ॥ नु नी या य क नि ४ व ४ ४ य ४ ४ क्री व न न र्प स क ॥ नि नु र्वा न न व म्माः
 म्मा लि न उ र साः ॥ न्ना र्का क न्ना दो वि से सां ज ना ॥ स्या इ रु ने नै यो ठि म्मां स ॥ ११११११
 ल्य ना नू ल्य थो व न स म ॥ स्या त्स्व वि र्ग तु ल्य व द्ध सं च र वि वा द्ध क ॥ ५० ॥ य नि न
 ऊ र न सा र्ना र्का क न्ना दो वि स सा ज ना ॥ स्या इ रु न न यो ठि म्मां स न यां व रु न ध य ॥
 वा ल रु स्या त्मा ध व का व रु रु रु र्मा य वा ॥ य व या स ४ रु । वि ना व द्धा जी ना जी

श्रीजननयि॥ ववीयानंदनमांकायन् पृथग्निथाग्रजः॥ जयन्तकनिक
 स्पृष्टववीयासंखजानूजा॥ जमीसाइवैवशुनौवलवान्मानसलसल॥
 द्विलंसुदिकसुदीवदत्तकि॥ यिविष्ठिल॥ अवथाइवनाटंआववरोन
 टनासिक। कनव॥ कनिक॥ कनीवलीनीवालरः॥ सुमी॥ यिकलागिसुया
 गणु॥ स्वदीकस्वध्वामन॥ स्वनक्ष॥ स्यात्वनक्षस्यविश्वमुगननीसिक॥
 स्वनक्षस॥ स्यात्वनक्षस॥ यरूयगनजजानूक॥ उद्वरूवृद्धरूवृद्धि॥
 जानू

७८

७९

८०

मृगवलीमूर्खा॥ मर्काटावानत्र। कोष्ठावनाका॥ अथरत्नकांम
 कांरत्नरत्नका॥ गणुकंरवर्गवर्गिनो। ललायांमदिवावाददि
 वल्कासत्रमेतिहा॥ म्रियांनिवाहनिमा। यंगममार्यमृगधूरुका॥
 मृगलवचकंकाधूरुलवैजम्बका॥ गौंरुर्विडालोमाङ्गात्रां। व
 वदंनकंआवचुक॥ यथात्मोधनंमधनंमेधयांमेधिकात्मजा॥
 म्रियेगुंनस्यंस्त्रि। ललीललीललीवातयनीवर्तमृगहंका

कल्लिं हाम लम व क ॥ म (म क न र ग वा ना य । ह त्रि मा जि न या न य ॥
 न त्र म य म ल म श्र म्मा इ म नै स्ये ध मे ह त्रि या क द ली क द ली नी नो ध म
 म नू पि य कां व थिं स म नू निं ह त्रि धां अ मा अ जि न या न य ॥ क क ल म न
 नू र्थ कू रं क स म्भ त्रं त्रो दि वा ॥ ल म क र्णं य क नै ध यी त्रा दि नां ध म न
 म ग म ॥ ग न्ध र्व ॥ ल त र हां त्र म ॥ स म त्रा ग व य ॥ ल न ॥ लू य द थाम
 ल ग ड्या य ॥ ग वा या ॥ य लु जा न य ॥ उ नू र्म र्ख का य्या र्व ग्नि त्रि

शी

श्री

७०

द का त्रा रि ष ज ल वे अ थि कि ल म क ॥ वा ल्हा नि लाम य ॥ क ल्यं उ ल्हा द्या नि
 र्ज ना ग दा न ॥ म न स्र ॥ अ म या की वि क ना या धि ना रं य ट् ॥ अ तु पां इ
 ल मि नां र्वा ल्हा ॥ स मी वा स न क चू त्रों ॥ द ड् ल म द ड् ना गी स्या दं ल म त्रा
 म य ता र्ग स ॥ वा न की वा त ना गी स्या ल्हा मि मा त्रा रि सा न की स्य ॥ क
 वा क र्ण लं चि लं पि ल्हा ॥ कि नू र्हा क वा य्यं मी ॥ उ न म क उ न्या द व नि ॥ लू
 ल ॥ ल म म ॥ क र्ण ॥ ५० ॥ न्यू का तु य व ज्ञां व द्ध ना हा तु लु लु

ॐ ह्रा। कि ला सी सि ध ला ॥ १६ ॥ क म र्क ल म र्क म र्क वि नो ॥ शु कं न ऊ
 स न न स य वी ऊ वी य द्वि या नि य ॥ मा य ४ पि रु क रू ४ ६ ॥ १७ ॥ ॐ वि यानुः
 श्री स्व गै स स व य रा ॥ वि नि नं न व स मा स य ल लं क व मा मि षं ॥ उ रु यं ॥ १८ ॥
 शु क मा नु स्या रु द लू नै मि लि र्गै क ॥ वृ धि व स रू ४ ६ ॥ १९ ॥ ॐ वि नो मंत्र कं क
 न ज ॥ १७ ॥ ॐ वि नो ॥ वृ क्ता १ मां स रु द य द स द स व य य सा ॥ य य मी व नि
 त्राम न्या नां गी रु ध म नि ४ नि त्र नि ल ॥ १८ ॥ ॐ म म सि यं ॥ १९ ॥ ॐ वि द कि द म ला १
 क १

सि यी ॥ १७ ॥ ॐ नु म्यु त्र १ ॥ १८ ॥ ॐ नु म्यु त्र १ ॥ १९ ॥ ॐ नु म्यु त्र १ ॥ १९ ॥ ॐ नु म्यु त्र १ ॥ १९ ॥
 ॐ य कं गी रु १ ॥ १८ ॥ ॐ स म ॥ १९ ॥ ॐ वि कां स्य दि नी ला ला इ यि का न व य म्भू न ॥ म
 व म्यु सा व उ आ रा व ॥ १८ ॥ ॐ नो ॥ म लं क रु न ॥ १९ ॥ ॐ य त्रि षं य र्थ व र्च स म म्भू वि द
 लं मि यो ॥ १८ ॥ ॐ स्या ल्क य न ४ क य ला १ ॥ १९ ॥ ॐ की क स रू ल्य म सि यो ॥ १९ ॥ ॐ स्या रु नी सि न
 कौ क का ल ४ ॥ १८ ॥ ॐ य रु मि रु क स व का ॥ १९ ॥ ॐ नि त्र नि ल ॥ १९ ॥ ॐ वा र्च स
 रु नि रु य रु का ॥ १९ ॥ ॐ र्ग य नी का १ व य वा १ व य ना १ य न व र्वा १ गी व व य य

महिवक्षनर्थ

या साहाय्य ३ ॥

महिवन्धादौ कनिष्ठं कनस्यैकं बलावद्धं यथेष्टं नखैः नयः ४ वा द्धिस्तु ऊर्ध्वं न स्यात्

न्यदक्षिनी ॥ अर्गुल्यहकनक्षत्वाष्टयस्यगुह्यष्टयदक्षिनीमध्यमाहवामिकोवाः

थिंका निष्ठुं च निगा हें कुमातू ॥ यून हव हें कन नू हा नखा रमिदी या दम ना लगे

कल्लसु कान्यादियूनंनगं॥ जगुधंस्यादिनसिद्धादन्मगुल ४। पात्तोचधटः

यनलयदक्षां विस्मृतां लो॥ दो॥ से॥ रुने॥ सं॥ रुनलं॥ पुनलो॥ याम॥ न॥ कि॥ क्षा॥ या॥ धि॥

त्रैकुट्यं यसनसोयवऊरनिहपमानं॥यकायांविस्मनकमोदसोमूष्य

एषा नैव यदा क्रीतविद्यादासावसंगमविं नावकाया विद्यावकाया

उवक्ष्यां सवन्विष्टस्यादभयिस्तु निष्क निष्क नमूषिन्तां व्यासावाह ४ सव

जयास्तनयासिंयमंनवं । उद्धविम्हगदां याक्षिर्नमान्नयोचूषाम्भूषणं

कलमगलाइथगीवायीणित्राधिठं कश्चत्रयैपि॥ कम्बुगीवादित्रखासावद्वध

ढाकृकाठिकाएकवैश्यवदनंतुलुमौननलयनमूर्खे॥ क्रीदद्याधैगंधवहो

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीभक्तिसहितप्रबोधनसंस्कृतसंग्रहः ॥ अथ

स्वास्ति व्यं न लो कपालो गच्छाद न ॥ २० ॥ च द न्नां द न्नां द न्ना च द ॥ म

लूठ का कदं॥ चम ह्य चम नाडि द्वा॥ वा ना वा वृत्त सु क नी॥ तला ठम लि
 कं॥ अधि चूर्द्ध ह्य मू वो मि यो क्व र्व म म्पु र्व वा म्पु ना च का कु० क॥ नान
 को॥ ला व न न य न न ग मी रु न श्रु स च कि नी॥ इ ग् र् यी वा श्रु म्पु म्पु चा चा द
 श्र म्पु म्पु च॥ श्र वा श्र म्पु च॥ च को क दा क्रा॥ या र्ग द र्ग ना॥ वा र्ग न वृत्त हो॥ श्र
 नं॥ नि॥ म्पु श्र व नं॥ श्र व॥ उ र्ग मा क्क॥ नि च स॥ शी र्ग म्पु द्वा नाम स का ही म्पु या॥
 चि क्च॥ कु न ला वा ल॥ क च॥ क म॥ नि मा च्च द्वा न द्वा के नि कं॥ क श्र म्पु ल क

३४

३३

३४

कृत्तु मानो स्या ल्यं य वि ण नि मो कि के॥ श्र वा य क॥ या वि हा र्ये॥ क॥ ट के
 म्पु ल या॥ श्र मि या क यून म ग द नु ल्य य गु ली य के मि को॥ क वां गु लि म्पु द्वा स्या ल्य
 क ग र्ग व द्वा॥ म्पु क द्वा म्पु ल लां का श्र स य को व स ना न था॥ श्री व सा न स न वै स थ
 य स्का द्वा श्र र्व लं वि व॥ या द र्ग द नु ला का टि म्पु श्र वा॥ श्र मि या॥ श्र स क॥ द्वा
 द क ट क॥ कि॥ के॥ शी श्र द्वा य वि को॥ ल्य क्क र्ग लं क्क मि न्ना मा श्रि व म्पु या मि र्द न
 वि षू॥ ११० वा वा र्ग को दि र्ग ल नु का यो स म्पु द ल च र न न॥ को म र्य क्क

मिफाया नूना कवमगनामर्ज ॥ अनाहनीनिष्यवादिनककयनवाभने ॥
 त्पाइर्गमनीयं यंदो नया ॥ द्यमुयां यूर्ग ॥ ययात्रिध्वनकोष्युयवद्रमूल्य
 हाधन ॥ कोमइकुली स्यादनुनिवीनं प्रावने ॥ निषू ॥ म्रिया चक्षुवस्मस्यदम ॥ ४॥
 श्री ^{२१}स्युवम ^{२२}योदया ॥ ४॥ देव्यमायामबाह ॥ यत्रिमादां विषालना ॥ यद्वेवकीकु ॥
 वंमुसमी लका कय्यो ॥ वमुमो कदम वाम ॥ घलं वेसममिं कुका ॥ सूयलक ॥
 यदी ॥ म्प्रो स्यादं प्राणि ॥ सुलभाटक ॥ निबोल ॥ प्रकदयद ॥ समो नलक ॥

कमलो ॥ अन्नजीथां यसंनानयनि धनान्यं धयुका ॥ दोयावनां रुनासंम
 समो वृह निका नथा ॥ सम्यानमू केजीयं ॥ ३॥ बालः कयोसुक ॥ म्रिया ॥ नी
 णप्र ॥ स्यात्कं वनत्तं हिमानिल निवानधि ॥ अर्द्धवृक वनमृधमं स्यात्तुं
 तकमकुका ॥ स्यान्निष्ठां यदीयं न नल्याप्रायापदीदिय ॥ ४॥ अम्रो विना नम
 लायादूव्याधम्यमुवन्मनि ॥ यनिसीजाजाऊवनिका ॥ स्यात्तिवत्तं वंभीवह
 सा ॥ १२० ॥ यनिकर्मगीसस्कान ॥ २॥ स्यात्तयाविमोर्जा नीमजा ॥ ३॥ उदरुनो

^{१॥} त्सा दनं ^{२॥} समं आ प्राप्तं ॥ ^{३॥} मानं च ^{४॥} श्रुत्वा च ^{५॥} विदुः ^{६॥} स ^{७॥} कां ^{८॥} र्द ^{९॥} ध ^{१०॥} वा ^{११॥} धनी ।
^{१२॥} अन्वा ^{१३॥} ध ^{१४॥} य ^{१५॥} ल ^{१६॥} य ^{१७॥} र ^{१८॥} क ^{१९॥} तु ^{२०॥} ल ^{२१॥} वि ^{२२॥} म ^{२३॥} स ^{२४॥} म ^{२५॥} ग ^{२६॥} म ^{२७॥} न ^{२८॥} प ^{२९॥} र ^{३०॥} सि ^{३१॥} ह ^{३२॥} क ^{३३॥} वि ^{३४॥} न ^{३५॥} वि ^{३६॥} वि ^{३७॥} वि ^{३८॥} वि ^{३९॥} वि ^{४०॥} वि ^{४१॥} वि ^{४२॥} वि ^{४३॥} वि ^{४४॥} वि ^{४५॥} वि ^{४६॥} वि ^{४७॥} वि ^{४८॥} वि ^{४९॥} वि ^{५०॥} वि ^{५१॥} वि ^{५२॥} वि ^{५३॥} वि ^{५४॥} वि ^{५५॥} वि ^{५६॥} वि ^{५७॥} वि ^{५८॥} वि ^{५९॥} वि ^{६०॥} वि ^{६१॥} वि ^{६२॥} वि ^{६३॥} वि ^{६४॥} वि ^{६५॥} वि ^{६६॥} वि ^{६७॥} वि ^{६८॥} वि ^{६९॥} वि ^{७०॥} वि ^{७१॥} वि ^{७२॥} वि ^{७३॥} वि ^{७४॥} वि ^{७५॥} वि ^{७६॥} वि ^{७७॥} वि ^{७८॥} वि ^{७९॥} वि ^{८०॥} वि ^{८१॥} वि ^{८२॥} वि ^{८३॥} वि ^{८४॥} वि ^{८५॥} वि ^{८६॥} वि ^{८७॥} वि ^{८८॥} वि ^{८९॥} वि ^{९०॥} वि ^{९१॥} वि ^{९२॥} वि ^{९३॥} वि ^{९४॥} वि ^{९५॥} वि ^{९६॥} वि ^{९७॥} वि ^{९८॥} वि ^{९९॥} वि ^{१००॥} वि ^{१०१॥} वि ^{१०२॥} वि ^{१०३॥} वि ^{१०४॥} वि ^{१०५॥} वि ^{१०६॥} वि ^{१०७॥} वि ^{१०८॥} वि ^{१०९॥} वि ^{११०॥} वि ^{१११॥} वि ^{११२॥} वि ^{११३॥} वि ^{११४॥} वि ^{११५॥} वि ^{११६॥} वि ^{११७॥} वि ^{११८॥} वि ^{११९॥} वि ^{१२०॥} वि ^{१२१॥} वि ^{१२२॥} वि ^{१२३॥} वि ^{१२४॥} वि ^{१२५॥} वि ^{१२६॥} वि ^{१२७॥} वि ^{१२८॥} वि ^{१२९॥} वि ^{१३०॥} वि ^{१३१॥} वि ^{१३२॥} वि ^{१३३॥} वि ^{१३४॥} वि ^{१३५॥} वि ^{१३६॥} वि ^{१३७॥} वि ^{१३८॥} वि ^{१३९॥} वि ^{१४०॥} वि ^{१४१॥} वि ^{१४२॥} वि ^{१४३॥} वि ^{१४४॥} वि ^{१४५॥} वि ^{१४६॥} वि ^{१४७॥} वि ^{१४८॥} वि ^{१४९॥} वि ^{१५०॥} वि ^{१५१॥} वि ^{१५२॥} वि ^{१५३॥} वि ^{१५४॥} वि ^{१५५॥} वि ^{१५६॥} वि ^{१५७॥} वि ^{१५८॥} वि ^{१५९॥} वि ^{१६०॥} वि ^{१६१॥} वि ^{१६२॥} वि ^{१६३॥} वि ^{१६४॥} वि ^{१६५॥} वि ^{१६६॥} वि ^{१६७॥} वि ^{१६८॥} वि ^{१६९॥} वि ^{१७०॥} वि ^{१७१॥} वि ^{१७२॥} वि ^{१७३॥} वि ^{१७४॥} वि ^{१७५॥} वि ^{१७६॥} वि ^{१७७॥} वि ^{१७८॥} वि ^{१७९॥} वि ^{१८०॥} वि ^{१८१॥} वि ^{१८२॥} वि ^{१८३॥} वि ^{१८४॥} वि ^{१८५॥} वि ^{१८६॥} वि ^{१८७॥} वि ^{१८८॥} वि ^{१८९॥} वि ^{१९०॥} वि ^{१९१॥} वि ^{१९२॥} वि ^{१९३॥} वि ^{१९४॥} वि ^{१९५॥} वि ^{१९६॥} वि ^{१९७॥} वि ^{१९८॥} वि ^{१९९॥} वि ^{२००॥} वि ^{२०१॥} वि ^{२०२॥} वि ^{२०३॥} वि ^{२०४॥} वि ^{२०५॥} वि ^{२०६॥} वि ^{२०७॥} वि ^{२०८॥} वि ^{२०९॥} वि ^{२१०॥} वि ^{२११॥} वि ^{२१२॥} वि ^{२१३॥} वि ^{२१४॥} वि ^{२१५॥} वि ^{२१६॥} वि ^{२१७॥} वि ^{२१८॥} वि ^{२१९॥} वि ^{२२०॥} वि ^{२२१॥} वि ^{२२२॥} वि ^{२२३॥} वि ^{२२४॥} वि ^{२२५॥} वि ^{२२६॥} वि ^{२२७॥} वि ^{२२८॥} वि ^{२२९॥} वि ^{२३०॥} वि ^{२३१॥} वि ^{२३२॥} वि ^{२३३॥} वि ^{२३४॥} वि ^{२३५॥} वि ^{२३६॥} वि ^{२३७॥} वि ^{२३८॥} वि ^{२३९॥} वि ^{२४०॥} वि ^{२४१॥} वि ^{२४२॥} वि ^{२४३॥} वि ^{२४४॥} वि ^{२४५॥} वि ^{२४६॥} वि ^{२४७॥} वि ^{२४८॥} वि ^{२४९॥} वि ^{२५०॥} वि ^{२५१॥} वि ^{२५२॥} वि ^{२५३॥} वि ^{२५४॥} वि ^{२५५॥} वि ^{२५६॥} वि ^{२५७॥} वि ^{२५८॥} वि ^{२५९॥} वि ^{२६०॥} वि ^{२६१॥} वि ^{२६२॥} वि ^{२६३॥} वि ^{२६४॥} वि ^{२६५॥} वि ^{२६६॥} वि ^{२६७॥} वि ^{२६८॥} वि ^{२६९॥} वि ^{२७०॥} वि ^{२७१॥} वि ^{२७२॥} वि ^{२७३॥} वि ^{२७४॥} वि ^{२७५॥} वि ^{२७६॥} वि ^{२७७॥} वि ^{२७८॥} वि ^{२७९॥} वि ^{२८०॥} वि ^{२८१॥} वि ^{२८२॥} वि ^{२८३॥} वि ^{२८४॥} वि ^{२८५॥} वि